जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 69 प्रभात कोटा, सोमवार 22 दिसम्बर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'संघ हिंदुओं की सुरक्षा के लिए काम करता है पर मुस्लिम विरोधी नहीं है'

सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि संघ को भाजपा के नज़रिए से समझना गलत है

- कोलकाता में आरएसएस के शताब्दी समारोह में व्याख्यान देते हुए भागवत ने कहा कि संघ का मुख्य उद्देश्य नैतिक रूप से ईमानदार और गुणी व्यक्तियों का निर्माण करना है, जो सेवा, मूल्यों व राष्ट्रीय गौरव से प्रेरित हों व देश के विकास में योगदान दें।

कोलकाता, 21 दिसंबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि संगठन का कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है और इसे भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नज़रिए से नहीं देखना चाहिए।

भागवत ने संघ के शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में कोलकाता में आरएसएस 100 व्याख्यान माला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, कहा कि आरएसएस को संकीर्ण या तुलनात्मक ढ ांचों से नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर आप संघ को समझना चाहते हैं, तो इसका अनुभव करना पड़ेगा। तुलना करने से गलतफहमी होगी। अगर आप संघ को सिर्फ एक और सेवा संगठन मानते हैं, तो आप गलत हैं।"

भागवत ने कहा, "बहुत से लोगों की प्रवृत्ति संघ को भाजपा के नज़रिए से समझने की होती है, जो बहुत बड़ी गलती है।" उन्होंने कहा कि हालांकि भाजपा के कई नेताओं की जड़ें आरएसएस में हो सकती हैं, लेकिन दोनों अलग-अलग भूमिकाओं वाले अलग-अलग संगठन हैं। बाद में कोलकाता के साइंस सिटी ऑडिटोरियम में एक अन्य कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस राजनीति नहीं करता है और उसका कोई दुश्मन नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह संगठन पूरी तरह से हिंदू समाज की भलाई, सुरक्षा और एकता के लिए काम करता है। उन्होंने कहा, "संघ को अक्सर गलत समझा जाता है। बहुत से लोग इसका नाम जानते हैं लेकिन इसके काम को नहीं समझते। आरएसएस दुश्मनी या टकराव की मानसिकता से काम नहीं करता।" संघ प्रमुख ने कहा कि आरएसएस का मुख्य उद्देश्य सज्जन यानी नैतिक रूप से ईमानदार और गुणी व्यक्तियों का निर्माण करना है जो सेवा, मूल्यों और राष्ट्रीय गौरव से प्रेरित हों और जो देश के विकास में योगदान दें।

भागवत ने कहा कि संगठन के विकास से कुछ लोगों के हितों पर असर पड़ सकता है, जिससे विरोध हो सकता है, लेकिन संघ खुद किसी को दुश्मन नहीं मानता। आरएसएस के मुस्लिम विरोधी होने के आरोपों को खारिज करते हुए भागवत ने कहा कि ऐसी धारणाएं तथ्यों के बजाय कहानियों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि संघ का काम पारदर्शी है और कोई भी इसे देख सकता है। उन्होंने कहा, "जो लोग आए हैं और हमारे काम को देखा है, उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला है कि हम कट्टर राष्ट्रवादी हैं जो हिंदुओं की सुरक्षा के लिए काम करते हैं लेकिन मुस्लिम विरोधी नहीं हैं।" उन्होंने आलोचकों से संगठन का दौरा करने और इसे सीधे समझने का आग्रह किया।

इस दौरान उन्होंने हिंदू समुदाय के अंदर ज़्यादा एकता और भूली हुई सांस्कृतिक तथा सामाजिक जड़ों की ओर लौटने का आ ान किया। बंगाल की विरासत का ज़िक्र करते हुए भागवत ने स्वामी विवेकानंद, राजा राम मोहन रॉय और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसी हस्तियों को याद किया। उन्होंने सामाजिक सुधार में उनकी भूमिका के लिए राजा राम मोहन रॉय की खास तौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति ने वीबी-जी राम जी विधेयक को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, 21 दिसंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को ग्रामीण रोज़गार नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव वाले विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) : वीबी-जी राम जी विधेयक 2025 को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी।

- यह अधिनियम प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 125 दिनों के मजदूरी रोज़गार की गारंटी प्रदान करता है, बशर्ते परिवार के वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक कार्य करने के इच्छुक हों।

यह अधिनियम ग्रामीण परिवारों के लिए प्रति वित्तीय वर्ष मज़दूरी रोज़गार की वैधानिक गारंटी को 125 दिनों तक बढ़ाता है और सशक्तिकरण, समावेशी विकास, योजनाओं के अभिसरण (कन्वर्जेंस) तथा परिपूर्ण तरीके से सेवा-प्रदाय को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है, जिससे समृद्ध, सक्षम और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की नींव मजबूत होगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यसभा सीट नहीं मिली तो रणनीति पर पुर्नविचार करेंगे- मांझी

- पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने कहा, "अगर हमें हमारा हक नहीं मिला तो हमें अपनी राह खुद बनानी होगी।"

गया जी, 21 दिसंबर। पूर्व बिहार मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने रविवार को कहा कि उन्हें एनडीए में अनुचित व्यवहार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि उनकी पार्टी, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को आगामी राज्यसभा चुनावों में सीट नहीं दी जाती है, तो उन्हें अपनी राजनीतिक रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी अपने गयाजी संसदीय क्षेत्र में पार्टी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों के सवालों का भी जवाब दिया। मांझी अपने पुत्र संतोष कुमार सुमन, जो हम के राज्य मंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, के साथ उपस्थित थे। मांझी ने गठबंधन में अपने साथ हुए कथित "विश्वासघात" का जिक्र करते हुए स्थानीय भाषा मगही में कहा, "अगर हमें हमारा हक नहीं मिला तो हमें अपनी राह खुद बनानी होगी। मेरा अपना मंत्री पद कोई बड़ी बात नहीं है। अगर मैं केंद्रीय कैबिनेट में नहीं भी रहूं तो भी मैं राजनीतिक रूप से टिक जाऊंगा।" उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी, जिसका संसद में केवल एक सांसद है, अब राज्यसभा में भी सीट चाहती है। हालांकि, जब पत्रकारों ने उनसे और सवाल किए, तो मांझी ने अपनी विशिष्ट शैली में पलटी लेते हुए कहा, "कृपया मेरे शब्दों को संदर्भ से बाहर न पेश करें। मैं अपनी पार्टी का निर्णय नहीं ले सकता क्योंकि मैं उसका कार्यालय अधिकारी नहीं बल्कि केवल संरक्षक (संग्रक्षक) हूं।"

'बाँग्लादेश उच्चायोग सुरक्षित, बाँग्लादेशी मीडिया दुष्प्रचार से बचे'

- विदेश मंत्रालय ने कहा कि लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए।

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। विदेश मंत्रालय ने यहां स्थित बंगलादेश उच्चायोग की सुरक्षा के बारे में बंगलादेशी मीडिया में किए जा रहे दुष्प्रचार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि उच्चायोग की सुरक्षा की स्थिति खराब करने की कोई कोशिश नहीं की गई है और लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां स्थित बंगलादेश उच्चायोग के सामने शनिवार को हुए प्रदर्शन के बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में रविवार को कहा कि भारत विएना कन्वेंशन के अनुसार अपने क्षेत्र में विदेशी मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बंगलादेशी मीडिया इस बारे में दुष्प्रचार कर लोगों को गुमराह कर रहा है।

प्रवक्ता ने कहा, "हमने इस घटना पर बांग्लादेशी मीडिया के कुछ हिस्सों में गुमराह करने वाला दुष्प्रचार देखा है। सच यह है कि 20 दिसंबर को नई दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के सामने लगभग 20-25 युवा इकट्ठा हुए और उहोंने मैमनसिंह में दीपू चंद्र दास की भयानक हत्या के विरोध में नारे लगाए, साथ ही बांग्लादेश में सभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मनरेगा से गांधी का नाम हटाना, उनकी दूसरी हत्या है- चिदंबरम

वरिष्ठ कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कहा कि इस विधेयक से ग्रामीण रोजगार की गारंटी कमज़ोर हो गई

- पी. चिदंबरम ने कहा कि गांधी और नेहरू को सरकारी आदेशों से नहीं मिटाया जा सकता, वे देश की चेतना में बुद्ध और यीशू की तरह जीवित हैं।

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम से गांधी का नाम हटाने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने इसे महात्मा गांधी की दूसरी हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि संसद से पारित नए कानून के जरिए न सिर्फ गांधी की स्मृति को मिटाने की कोशिश की गई है, बल्कि ग्रामीण गरीबों के अधिकारों पर भी सीधा प्रहार हुआ है।

चिदंबरम ने कहा कि 18 दिसंबर को संसद ने विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक पारित किया, जो 20 साल पुराने मनरेगा कानून की जगह लेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बदलाव बिना पर्याप्त चर्चा के किया गया और इससे ग्रामीण रोजगार की कानूनी गारंटी कमजोर हो गई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी इस कानून का लगातार विरोध करेगी। हालांकि आज ही यानी रविवार को राष्ट्रपति ने इस बिल को मंजूर भी कर दिया है।

चिदंबरम ने कहा कि महात्मा गांधी की पहली हत्या 30 जनवरी 1948 को हुई थी और अब उनकी स्मृति को फिर से खत्म करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि गांधी और नेहरू को सरकारी आदेशों से नहीं मिटाया जा सकता, वे देश की चेतना में बुद्ध और यीशु की तरह जीवित हैं।

चिदंबरम ने कहा कि मनरेगा एक मांग आधारित अधिकार था। अगर कोई काम मांगता था तो सरकार कानूनी रूप से उसे काम देने के लिए बाध्य थी। नए कानून में यह अधिकार खत्म हो गया है और अब सरकार की मर्जी से काम दिया जाएगा। इससे ग्रामीण गरीब, दिहाड़ी मजदूर और महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी।

चिदंबरम ने नए कार्यक्रम के नाम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी अक्षरों में लिखे गए हिंदी नाम दक्षिण भारत के ग्रामीणों के लिए समझना मुश्किल है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब यह योजना पूरे देश में लागू नहीं होगी, बल्कि केवल केंद्र द्वारा तय किए गए जिलों तक सीमित रह जाएगी।

पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि पहले केंद्र सरकार मजदूरी का पूरा खर्च उठाती थी और सामग्री लागत का 75 प्रतिशत देती थी। नए कानून में राज्यों पर ज्यादा बोझ डाला जा रहा है। बजट आवंटन लगातार घट रहा है। चार साल पहले जहां 1.11 लाख करोड़ रुपये थे, अब यह 65 हजार करोड़ तक आ गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राज्यों के पास पैसा नहीं हुआ तो योजना जमीन पर लागू ही नहीं हो पाएगी।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में महायुति की विजय

मुंबई, 21 दिसंबर। महाराष्ट्र में आए 288 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के परिणामों ने महायुति को राज्य की अविवादित शक्ति बना दिया है। कुल 288 निकायों में से महायुति ने 215 पर कब्जा किया है, जिसमें भाजपा 129, एकनाथ शिंदे की शिवसेना 51

- कुल 288 निकायों में से भाजपा ने 129, एकनाथ शिंदे ने 51 तथा अजित पवार ने 35 पर विजय प्राप्त की।

और अजित पवार की एनसीपी 35 निकायों के साथ अग्रणी हैं। इसके विपरीत, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) मात्र 51 निकायों पर सिमट गई है, जिसमें कांग्रेस (35) ने उद्धव सेना (9) और शरद पवार की एनसीपी (7) की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।

कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने अपनी हार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय सांख्यिकी संस्थान पर आरएसएस का प्रभाव बढ़ा- राहुल गांधी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि शिक्षा संस्थान विचारधारा से नहीं ज्ञान-विज्ञान से चलने चाहिए

- कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि संसद सत्र के दौरान आईएसआई के छात्रों ने उनसे मुलाकात यह चिंता जताई थी कि अकादमिक फैसलों में आरएसएस का दखल बढ़ रहा है।

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) पर धीरे-धीरे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का संस्थागत प्रभाव बढ़ रहा है। उनका कहना था कि शिक्षा संस्थान किसी विचारधारा से नहीं, बल्कि ज्ञान और विज्ञान से चलने चाहिए। राहुल गांधी ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान आईएसआई के छात्रों से हुई मुलाकात का एक वीडियो अपने वाट्सऐप पर साझा किया।

ज्ञातव्य है कि यह बातचीत संसद परिसर में उनके 'जन संसद' कार्यक्रम के तहत हुई थी, जिसमें वे अलग-अलग वर्ग के लोगों से मिलते हैं। राहुल गांधी ने बताया कि आईएसआई के छात्रों ने वही चिंताएं जताईं, जो देश के दूसरे शिक्षण संस्थानों के छात्र और शिक्षक पहले से उठाते आ रहे हैं। छात्रों का कहना है कि आईएसआई में अब अकादमिक फैसलों में आरएसएस का दखल बढ़ रहा है।

इस दौरान राहुल गांधी ने इस बात पर भी जोर दिया कि आईएसआई कोई साधारण संस्थान नहीं है। यह संस्थान आंकड़े, गणित, अर्थशास्त्र, डेटा साइंस, कंप्यूटर साइंस और नीति निर्माण जैसे क्षेत्रों में उच्च स्तरीय शोध करता है और देश को विश्वस्तरीय विशेषज्ञ देता रहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जिन अकादमिक परिषदों को शिक्षाविदों द्वारा चलाया जाना चाहिए, वहां अब नौकरशाही और विचारधारा का हस्तक्षेप हो रहा है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम और रिसर्च पर भी आरएसएस की विचारधारा थोपने की कोशिश की जा रही है।

राहुल गांधी ने आगे इसे शिक्षा सुधार नहीं, बल्कि शिक्षा और संस्थानों को कमजोर करने की साजिश बताया। राहुल गांधी का कहना है कि इससे युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है और आगे चलकर इन संस्थानों का निजीकरण या उनकी संपत्तियों को बेचने की तैयारी की जा सकती है।

राहुल गांधी ने साफ कहा कि यह हमला सिर्फ संस्थानों पर नहीं, बल्कि देश की बौद्धिक आज़ादी, वैज्ञानिक सोच और युवाओं के भविष्य पर है। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस इसे किसी भी हालत में होने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा को आज़ादी चाहिए और देश के संस्थान ज्ञान, विज्ञान और स्वतंत्र सोच से चलने चाहिए, न कि किसी भी विचारधारा से।

हरियाणा की सायबर क्राइम थाना टीम रिश्वत की राशि के साथ पकड़ी गई

जयपुर, 21 दिसम्बर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अजमेर टीम ने कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना साइबर क्राइम सिरसा, हरियाणा, के उपनिरीक्षक सुरेन्द्र कुमार एवं पुलिस स्टाफ के अन्य सदस्यों को छह लाख रुपये की अवैध राशि सहित पकड़ा।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि

- भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने कुचामन सिटी में चैकिंग के दौरान हरियाणा के उपनिरीक्षक व पुलिस स्टाफ को 6 लाख रूपए की अवैध नकदी के साथ पकड़ा।

ब्यूरो में गोपनीय जानकारी प्राप्त हुई कि हरियाणा पुलिस का स्टाफ हरियाणा में दर्ज साइबर क्राइम के मुकदमे के अनुसंधान एवं आरोपियों की तलाश के लिए आया हुआ है एवं प्रकरण में संदिग्ध लोगों को डरा धमकाकर अवैध रूप से रिश्वत राशि प्राप्त कर वाहन संख्या एचआर 24 जीवी 2222 से हरियाणा जा रहा है।

एसीबी अजमेर की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना भाटी के नेतृत्व में तुरन्त कार्यवाही करते हुये जिला डीडवाना-कुचामन में पुलिस थाना कुचामन सिटी के क्षेत्र त्रिशिंगिंया में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में प्रदूषण रविवार को 400 से अधिक

नयी दिल्ली, 21 दिसंबर। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में रविवार सुबह भी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में बना रहा। शहर के कई प्रमुख इलाकों में सुबह के समय एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया।

- शनिवार को कई इलाकों में एक्यूआई 500 से अधिक हो गया था।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, अक्षरधाम, आईटीओ, गाजीपुर और आनंद विहार इलाकों में एक्यूआई 438 दर्ज हुआ।

बारापुला फ्लाईओवर पर एक्यूआई 382 और धौला कुआँ पर 397 रहा, जो दोनों बहुत खराब श्रेणी में आते हैं। शनिवार की तुलना में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट की परिभाषा से अरावली का 90 प्रतिशत हिस्सा सुरक्षित क्षेत्र में आयेगा- भूपेंद्र यादव

पिछले दिनों से बड़े स्तर पर चर्चा है कि परिभाषा बदलने से बड़े पैमाने पर खनन की अनुमति दी जा सकेगी

- केन्द्र सरकार ने कहा कि अरावली के लिए असली खतरा अवैध व अनियंत्रित खनन है। इसे रोकने के लिए कड़ी निगरानी, प्रवर्तन तथा ड्रोन जैसी तकनीक के इस्तेमाल की सिफारिश की है।

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत शृंखलाओं में से एक, अरावली पर्वत शृंखला इन दिनों खूब चर्चा में है। रविवार को केन्द्र सरकार ने उन रिपोर्टों को खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि अरावली की परिभाषा बदल दी गई है ताकि बड़े पैमाने पर खनन की अनुमति दी जा सके। सरकार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने इस क्षेत्र में नए खनन लीज पर रोक लगाई हुई है। मामले में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी वाली नई परिभाषा के अनुसार, अरावली क्षेत्र का 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा सुरक्षित क्षेत्र में आएगा।

ज्ञातव्य है कि बीते दिनों इन पर्वतों के पास खनन की घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका डाली गई। इस पर केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक जवाब दाखिल किया। इसी जवाब के बाद से देशभर में कुछ ऐसे घटनाक्रम हुए हैं, जिन्हें लेकर अरावली शृंखला चर्चा के केंद्र में आ गई। इतना ही नहीं अरावली के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर "सेव अरावली कैंपेन" यानी अरावली बचाओ अभियान चल पड़ा है।

मामले में सरकार ने साफ किया कि अरावली की परिभाषा राज्यों में प्रमाणित की गई है ताकि किसी प्रकार का गलत इस्तेमाल न हो। इससे पहले, अलग-अलग राज्य खनन की अनुमति देते समय अलग-अलग नियम अपनाते थे।सरकार के अनुसार, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात में कानूनी खनन बहुत ही छोटे हिस्से में होता है, केवल 0.19 प्रतिशत। दिल्ली में खनन की अनुमति नहीं है। केंद्र ने बताया कि अरावली के लिए असली खतरा अवैध और अनियंत्रित खनन है। इसे रोकने के लिए समिति ने कड़ी निगरानी, प्रवर्तन और ड्रोन जैसी तकनीक का इस्तेमाल करने की सिफारिश की है।

सुप्रीम कोर्ट ने मई 2024 में एक समिति बनाई थी, जिसमें राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के प्रतिनिधि शामिल थे। इस समिति का काम था कि अरावली की एक समान परिभाषा तय की जाए। समिति ने पाया कि केवल राजस्थान का ही 2006 से एक स्थायी नियम था, जिसमें कहा गया है कि 100 मीटर या उससे ऊंचे भूमि स्वरूप को पहाड़ी माना जाएगा और उसकी न्यूनतम सीमा के अंदर खनन प्रतिबंधित होगा। ऐसे में अब सभी चार राज्य राजस्थान के इस नियम को अपनाएंगे और कुछ अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी होंगे। इसके तहत 500 मीटर के भीतर आने वाली पहाड़ियों को एक ही श्रृंखला माना जाएगा। खनन की अनुमति देने से पहले भारतीय सर्वेक्षण के नक्शों पर पहाड़ियों और उनकी श्रृंखलाओं का नक्शा बनाना अनिवार्य होगा और कोर और अविनाशी क्षेत्र की पहचान करना होगा, जहां खनन पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। सरकार ने बताया कि यह गलत है कि केवल 100 मीटर से ऊंची जगहों पर खनन पर रोक है। पूरे पहाड़ी क्षेत्र और उसके चारों ओर की भूमि पर रोक लागू होगी।

गौरतलब है कि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने समिति की सिफारिशों को मान्यता दी। इसके अनुसार, कोर और अविनाशी क्षेत्रों, संरक्षित क्षेत्रों, इको-सेंसिटिव जोन, टाइगर रिजर्व, वेटलैंड्स और उनके आसपास खनन पर पूरी तरह रोक रहेगी। केवल कुछ विशेष, राष्ट्रीय महत्व के खनिजों के लिए ही सीमित छूट होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अरावली क्षेत्र में नई खनन लीज़ तब तक नहीं दी जाएगी जब तक भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद द्वारा सतत खनन प्रबंधन योजनातैयार नहीं हो जाती।

विचार बिन्दु

पूरे यत्न से इतिहास की रक्षा करनी चाहिए, इतिहास और अपना प्राचीन गौरव नष्ट कर देने से विनाश निश्चित है। –महाभारत

साहित्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता

इधर साहित्य की दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने बड़ी हलचल पैदा कर रखी है। बहुत सारे लेखकों और साहित्यानुरागियों को लगता है कि यह एक नई महामारी है जो कुछ समय में सब कुछ को ख़त्म कर देगी। लेखक के पास लिखने-करने को कुछ रहेगा नहीं और पाठक को जो भी मिलेगा वह सब कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचित होगा। ऐसा मानने वाले बहुत सारे लोग ऐसे हैं जिन्होंने केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नाम सुना है और जिन्हें अभी तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न पक्षों को जानने समझने का मौका नहीं मिला है। आज जो प्रतिक्रिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर हो रही है, कुछ-कुछ वैसी ही प्रतिक्रिया कुछ दशक पहले कम्प्यूटर को लेकर भी हुई थी। लेकिन हम पाते हैं कि वे आशंकाएं अधकचरी थीं और आज स्थिति यह है कि कम्प्यूटर हमारी ज़िंदगी का ज़रूरी हिस्सा बन गया है और उसने हमें जितना नुकसान पहुंचाया है उससे ज़्यादा सुविधाएं भी हमें प्रदान की हैं। यह तो समय ही बताएगा कि क्या इतिहास अपने आप को दुहराएगा, अभी तो हम थोड़ा गहराई में जाकर यह विचार कर सकते हैं कि जितनी जानकारी अभी हमें सुलभ है उसके अनुसार कृत्रिम बुद्धि साहित्य को कैसे प्रभावित करने जा रही है। यहीं यह बात भी ध्यान में रखी जानी चाहिए कि तकनीक बहुत तेज़ी से बदल और विकसित हो रही है, इसलिए यह भविष्यवाणी करना कि कल, या अगले कुछ वर्षों में ऐसा हो जाएगा, ख़तरे से खाली नहीं है। बहुत सम्भव है कि कल तकनीक कोई और ही रूप ले ले।

अभी साहित्य से जुड़े लोग इस बात को लेकर आशंकित हैं कि भविष्य में कविता, कहानी, उपन्यास सब कुछ कृत्रिम बुद्धि रच देगी। यह आशंका एकदम तो निर्मूल नहीं है। अभी जितने साधन हमें सुलभ हैं उनके द्वारा भी ऐसा किया जाना सम्भव हो चुका है। आप कृत्रिम बुद्धि के किसी टूल को ठीक से निर्देश (कमाण्ड) दें तो पलक झपकते ही आपके सामने तदनुरूप रचित 'चीज़' हाज़िर हो जाएगी। आप चैटजीपीटी को कविता लिखने का आदेश दे सकते हैं और आपको कविता मिल जाएगी। आप कुछ बिंदु दें तो कहानी भी मिल सकती है, और कदाचित उपन्यास भी। अब अगर मैं इस तरह से कुछ रच कर अपने नाम से प्रकाशित करवा लूं तो? मैं तो बग़ैर रचनात्मक प्रतिभा के रचनाकार बन जाऊंगा। क्या पता उस निर्मिति को कोई पुरस्कार भी मिल जाए! वह रचना मेरी नहीं है, यह दावा कौन करेगा? कृत्रिम बुद्धि तो दावा करने आएगी नहीं! इसे नैतिक प्रश्न भी मान सकते हैं! अभी तो कॉपीराइट कानून में भी इस समस्या का कोई समाधान नहीं है, क्योंकि कानून पहले बना था, समस्या बाद में उत्पन्न हुई है। यह भी सोचिये कि पहले जिस तरह बहुत सारे प्रकाशक छद्म लेखन करवाते थे क्या वैसे ही अब बहुत सारे प्रकाशक कृत्रिम लेखन नहीं करवाने लग जाएंगे? अख़बार और पत्र पत्रिकाओं के संपादक भी लेखक पर निर्भर रहने की बजाय 'आत्म निर्भर' नहीं हो जाएंगे? इसका ॲसर जहां लेखकों की आजीविका, उनकी महत्ता और उनकी रचनात्मकता पर पड़ेगा, वहीं वे लोग जो साहित्य से वैचारिक ऊर्जा ठाहण करते हैं, उनकी भी तो हानि होगी।

लेकिन ये सब तो नकारात्मक बातें हैं। क्या कृत्रिम बुद्धि से साहित्य का और साहित्यकारों का कोई भला नहीं होगा? कल्पना कीजिए कि आप एक उपन्यास लिखना चाहते हैं। एक स्थूल-सी रूपरेखा आपके मन में है। आप उसी रूपरेखा को विकसित करके एक उपन्यास बनाना चाहते हैं और इसके लिए कृत्रिम बुद्धि से मदद मांगते हैं। आपको कुछ बिंदु सुझा दिए जाते हैं। आप उन्हें विकसित करके कथा का रूप देते हैं। आपका श्रम कुछ कम हो गया है और इसका लाभ आप अपनी कथा को संवारने में उठाते हैं। यह तो बुरी बात नहीं है। मनुष्य अपने श्रम को बचाने के लिए बहुत सारे प्रयास हमेशा ही करता रहा है। कल तक हम पहाड़े रटते थे आज वही काम कैलक्युलेटर से करा लेते हैं। इसी तरह अगर आप अपने सोचने का कुछ बोझ कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर डाल देते हैं तो मुझे इसमें कोई बुराई नज़र नहीं आती। आप एक कहानी लिखते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा कि उसका अंत कैसे किया जाए! आप कृत्रिम बुद्धिमत्ता से सुझाव मांगते हैं और फिर उसके द्वारा दिये गए सुझावों में से किसी सुझाव को आधार बना कर अपनी कहानी को पूर्णता की तरफ ले जाते हैं, तो इसमें कोई बुराई नहीं है। सारी बात का सार यह कि आप कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग सहायता के लिए करें, न कि पूरी तरह उसी पर निर्भर हो जाएं। ऐसा करना पूरी तरह आपकी नैतिकता पर निर्भर करेगा।

> **अब से कुछ बरस पहले मशीनी अनुवाद हम सबके लिए हास्य और उपहास का विषय हुआ करता था, क्योंकि मशीन से हासिल किए गए अनुवाद अटपटे और ख़ासे मनोरंजक होते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब मशीनी अनुवाद लगभग निर्दोष होते हैं। रोज़मर्रा के काम की अभिव्यक्तियां बहुत अच्छी तरह से एक से दूसरी भाषा में रूपांतरित हो जाती हैं। बेशक मनुष्य अभी भी उत्कृष्ट है, लेकिन अब मशीनी अनुवाद भी निकृष्ट नहीं रह गया है। तो इसी तरह सर्जनात्मकता के क्षेत्र में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास करेगी, यह माना जा सकता है।**

शायद हममें से बहुतों को इस बात की जानकारी नहीं है कि ये पंक्तियां लिखते समय भी हमारी अपनी भाषा में ऐसे अनेक टूल सुलभ हो गए हैं जो साहित्य सृजन में मददगार हैं। उदाहरणार्थ एक टूल है शायर एआई जिसे हिंदी कविताओं के डेटाबेस पर तैयार किया गया है और इसकी मदद लेकर आप पारंपरिक हिंदी-उर्दू शैली में शेर वगैरह तैयार कर सकते हैं। इसी का एक और रूप हिंदी शायरी जनरेशन मॉडल्स भी है जो पारंपरिक शैली की ग़ज़ल तैयार कर सकता है। इसी तरह एक टूल है एआईपोयम जनरेटर जहां आप कोई विषय देकर कविता लिखवा सकते हैं। आप कहें कि मुझे प्रेम पर कविता चाहिए, तो यह टूल आपको एक भावनात्मक कविता बनाकर दे देगा। उसमें आप कोई सुधार चाहेंगे तो यह सुधार भी कर देगा। इससे यह न समझ लें कि एआई केवल कविता और शायरी ही कर सकता है, राइट क्रीम्स स्टोरी जनरेटर बच्चों के लिए ऐसी कहानी तैयार करके दे देता है जो सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और नैतिकता का संदेश देने वाली हो। पैराफ्रेस टूल का शॉर्ट स्टोरी जनरेटर भी छोटी कहानियां तैयार कर देता है। जानकारों का कहना है कि बहुत सारे लेखक, जो तकनीक के मामले में अग्रगामी हैं, चैटजीपीटी, जैस्परएआई या ग्रोक की मदद लेकर कभी कहानी का प्लॉट प्राप्त कर रहे हैं या कभी उसका विकास कर रहे हैं या कभी अपने लिखे को परिष्कृत कर रहे हैं। अनुवाद के मामले में तो एआई की मदद अब सर्व स्वीकार्य है।

निश्चय ही अभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता हिंदी में काम करने में उतनी दक्ष नहीं है जितनी दक्ष वह अंग्रेज़ी या कुछ अन्य भाषाओं में काम करने में है। इसलिए स्वभावतः हम हिंदी वाले उससे अधिक लाभ नहीं ले पा रहे हैं। यह बताने की ज़रूरत नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को भी बाकायदा प्रशिक्षित किया जाता है। मज़ाक में कहूं तो यह कि अभी उसने हिंदी ठीक से सीखी नहीं है। लेकिन अगर हम चाहेंगे तो वह जल्दी ही सीख जाएगी। इस बात का बहुत बढ़िया उदाहरण अनुवाद की दुनिया से दिया जा सकता है, अब से कुछ बरस पहले मशीनी अनुवाद हम सबके लिए हास्य और उपहास का विषय हुआ करता था, क्योंकि मशीन से हासिल किए गए अनुवाद अटपटे और ख़ासे मनोरंजक होते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब मशीनी अनुवाद लगभग निर्दोष होते हैं। रोज़मर्रा के काम की अभिव्यक्तियां बहुत अच्छी तरह से एक से दूसरी भाषा में रूपांतरित हो जाती हैं। बेशक मनुष्य अभी भी उत्कृष्ट है, लेकिन अब मशीनी अनुवाद भी निकृष्ट नहीं रह गया है। तो इसी तरह सर्जनात्मकता के क्षेत्र में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास करेगी, यह माना जा सकता है।

मेरा सोच तो यह है कि हमें अनावश्यक और अतार्किक आशंकाओं से बचना चाहिए। तकनीक का विकास हमेशा ही नुकसानदायक नहीं होता है। और सारी बात का सार तो यह है कि आप उसे कैसे बरतते हैं! आप उससे सहायता लेते हैं और उस प्राप्त सहायता को अपनी बुद्धि के स्पर्श से परिष्कृत करते हैं तो यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन अगर आप एकदम निठल्ले हो जाएं और सब कुछ कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर ही छोड़ दें तो ऐसा करना आपकी ग़लती होगा और इसके लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता को दोष नहीं दिया जाना चाहिए। जैसा मैंने प्रारम्भ में कहा, तकनीक बहुत तेज़ी से परिवर्तित और विकसित हो रही है, अतः आने वाला समय ही बताएगा कि वह क्या रूप लेती है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

अमानक दवाओं से जीवन से खिलवाड़

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले ही यह दावा किया जाता है कि दवाओं की जांच के लिए जो सेंपल लिए जाते हैं उनमें से केवल 3 प्रतिशत दवाएं निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरती पर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दवा के एक भी नमूने में निर्धारित मात्रा व संयोजन में कंपोनेंट नहीं है तो यह स्वीकार नहीं होनी चाहिए। पिछले कुछ माहों के समाचारों का ही विष्लेषण किये जाये तो मध्यप्रदेश राजसथान सहित देश के कई हिस्सों में खांसी की दवा के चलते बच्चों की जान ना केवल सांसत में आई बल्कि कुछ बच्चों को तो जिंदगी से हाथ धोना पड़ा। हांलाकि लीपापोती के नाम पर यह सफाई दी गई कि दवा डाक्टर ने नहीं लिखी थी या चिकित्सालय से दवा नहीं दी गई थी। सवाल यह है कि अमानक दवाएं तैयार कर जीवन से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई नहीं होना उनके हौसले को ही बढ़ाती है। माना जाता है कि नकली पेस्टीसाइड बनाने व बेचने वालों के लिए सख्त सजा का प्रावधान है तो फिर दवाओं के सेंपल फेल हो जाने पर उस बेच की दवाओं को बाजार से हटाने की बात तो कर दी जाती है पर किसी दवा निर्माता को दवाओं के सेंपल विफल होने पर सजा मिलने के समाचार लगभग दिखाई ही नहीं देते।

गत पांच सालों में 14 हजार से अधिक दवाओं के सेंपल विफल हुए हैं। मजे की बात यह है कि इनमें से अधिकांश बुखार, खांसी के साथ ही ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी गंभीर बीमारी के भी है। अब कल्पना की जा सकती है कि बीपी या शुगर के बीमार पर अमानक दवाओं का क्या असर होता होगा या हो सकता है। सामान्य से गंभीर बीमारी की दवाओं के सेंपल विफल होना इस बात का साफ संकेत है कि दवा निर्माताओं में ना तो मरीजों के प्रति गंभीरता है और ना ही किसी कानूनी कार्रवाई का डर। यह तो वह आंकड़ें है जो सामने आ जाते हैं नहीं तो बाजार में आने वाली दवाओं के सभी के सभी बैच के सेंपल जांच के लिए लेना या जांच करना संभव भी नहीं तो व्यावहारिक भी नहीं लगता। ऐसे में अमानक पाये जाने पर कठोर कार्रवाई लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों में भय व सबक सीखा सकती है।

दवाओं के निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरने के साथ ही जीवनदायिनी दवाओं के तेजी से बेअसर होना भी एक समस्या होती जा रही है। इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौरतरीके से अनविज्ञ होना या फिर जानबुझकर लावपरवाही बरतने के साथ ही खान पान से जुड़ी गलतियां भी है। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है। देश-विदेश के चिकित्सक एएमआर को वैश्विक महामारी का नाम देने लगे हैं। देखा जाए तो आज सबसे अधिक मौत का कारण दवाओं का बेअसर होना है। कोरोना के बाद तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बहुत अधिक बढ़ा है। दरअसल कोरोना के बाद जहां एक और आम व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक सजग हुआ है तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग भी बढ़ा है।

सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में यदि भारत की बात की जाए तो 95 प्रतिशत तक एंटीबायोटिक दवाओं को ईलाज में शामिल किया जा रहा है। यह 95 प्रतिशत का आंकड़ा अतिशयोक्ति पूर्ण भले ही हो सकता है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाएं धडल्ले से लिखी जा रहा है। यह तो तब है जब मेडिकल से जुड़े विभिन्न मंचों व शोध निष्कर्षों में यह खुलासा हो चुका है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य को नुकसान ही पंहुचाने लगा है तो दूसरी और बैक्टिरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने से दवाओं का असर कम होने लगा है।

दवाओं के तेजी से बेअसर होने को लेकर देष-दुनिया के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अत्यधिक चिंता में हैं। मेडिकल से जुड़े जर्नल द लैसेंट में इस संबंध में एक के बाद एक चेतावनी भरे लेख सामने आ रहे हैं। यहां तक कि एएमआर को मेडिकल इंमरजेंसी के रुप में देखा जाने लगा है। दरअसल कोरोना के बाद लोग थोड़ा सा स्वास्थ्य खराब होते ही डॉक्टर की शरण में जाने को वरियता देने लगे है। यह अच्छी बात भी है पर जिस तरह से कोरोना के दौरान और उसके बाद एंटीबायोटिक का उपयोग अधिक बढ़ा है वह चिंतनीय हो गया है। हालात यहां तक हो गए हैं कि प्रति व्यक्ति 30 प्रतिषत अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक का उपयोग होने लगा है। दवाओं का बेअसर होने का सीधा सीधा असर किडनी, लीवर, ब्रैन, हार्ट आदि प्रभावित होने लगे हैं। इन गंभीर बीमारियों में एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होने लगा है।

इसे सकारात्मक ही माना जाएगा कि आज लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हुए हैं। जरा सा स्वास्थ्य गड़बड़ाने लगते ही लोग दवाओं का सहारा लेना आरंभ कर देते हैं। ऐसे में दवाओं की गुणवत्ता और मानकों पर खरी होना अधिक आवश्यक हो जाता है। दूसरी और अत्यधिक एंटिबायोटिक लिखने और सेवन को भी नियंत्रित किया जाना जरुरी हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकार इन हालातों से अनजान है बल्कि सरकार गंभीर प्रयास करने के साथ ही सख्त कानूनी प्रावधानों की दिशा में बढ़ रही है। दवाओं के पैकिंग पर असली नकली की पहचान के लिए क्यूआर कोड लगाने जैसी कदम उठा रही हैं पर निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरने वाले बैच की दवाओं को उपयोग से बाहर करने के सीमित कदम के स्थान पर निर्माता पर सख्त से सख्त कार्रवाई के प्रावधान होने ही चाहिए। ऐसे मामलों में न्यायालयों को भी सख्ती का संदेश देना चाहिए ताकि किसी को अनजाने में किसी की गलती से जीवन से हाथ नहीं धोना पड़े।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

जलवायु परिवर्तन से उपजे संकट
जब मौसम बदलता है, तो पूरा गांव बदल जाता है

मणिमाला शर्मा

राजस्थान में जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ मौसम विभाग की रिपोर्ट का विषय नहीं रहा, यह ठाामीण जीवन की हकीकत बन चुका है। पिछले कुछ वर्षों में राज्य में वर्षा का कुल स्तर थोड़ा बढ़ा है, लेकिन उसका वितरण पूरी तरह असंतुलित हो गया है। मानसून के कुछ ही दिनों में पूरे सीजन जितनी बारिश गिर जाना और फिर लंबे सूखे दौर का सामना करना अब आम बात बन चुकी है। इसी कारण राजस्थान के कई जिलों को एक ही वर्ष में बाढ़ और सूखे दोनों का सामना करना पड़ रहा है।

आंकड़े बताते हैं कि पिछले दशक में औसत तापमान में स्पष्ट वृद्धि हुई है। विशेषकर जून-जुलाई के महीनों में हीटवेव के दिन बढ़ गए हैं। इसका असर खेतों में काम करने के घंटों, फसलों की वृद्धि और पशुओं की सेहत पर साफ दिखाई दे रहा है। पशुपालन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बढ़ती गर्मी और चारे की कमी के कारण कई इलाकों में दूध उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत तक कमी आई है। प्रदेश की भूजल रिपोर्टें भी दर्शाती हैं कि राजस्थान के लगभग 85 प्रतिशत भूजल ब्लॉक अत्यधिक दोहन की श्रेणी में आ चुके हैं। यानी बारिश होने के बावजूद पानी की स्थायी उपलब्धता अब गंभीर चुनौती बन गई है।

गांवों की जमीनी तस्वीर और भी चिंताजनक है। नाथूबसर (चूरू), पिपलोदी (झालावाड़), सांचौर और चितलवाना (पश्चिमी राजस्थान) जैसे गांवों में किसान अब अपने अनुभव और परंपरागत ज्ञान पर भरोसा नहीं कर सकते। लालचंद पूनिया (नाथूबसर) कहते हैं, पहले सावन में बारिश तय रहती थी, अब कब बरस पड़े और कब गायब हो जाए, कोई भरोसा नहीं। खेती अब किस्मत पर चल रही है। रामकुमार नागर (पिपलोदी) बताते हैं, सात-आठ साल में पहली बार इतना नुकसान देखा। या तो बारिश बंद रहती है या पूरे सीजन जितना पानी एक ही बार में गिर जाता है। पवनसिंह देवड़ा (सांचौर) कहते हैं, पहले आकाश देखकर अंदाजा लगा लेते थे, अब मौसम अचानक बदल जाता है। फसल कितनी बचेगी, पता नहीं।

खेती के संकट के साथ-साथ पशुपालन भी गहरी चुनौती बन चुका है। नागौर, बाड़मेर और चूरू में घास की कमी, अनियमित बारिश और तेज गर्मी ने पशुओं की सेहत प्रभावित की है। दूध उत्पादन घटा है और कई छोटे पशुपालक अपने पशुओं की संख्या कम करने को मजबूर हो गए हैं। मदनलाल नाई (रतनगढ़, चूरू) बताते हैं, पहले चारागाह हरे रहते थे। अब बारिश कम या अचानक ज्यादा होने से घास ठीक से नहीं उगती। बाहर से चारा खरीदना पड़ता है। इससे लागत बढ़ रही है और आमदनी घट रही है।

इस बार राजस्थान के दक्षिणी जिलों, जैसे उदयपुर और गोगुंदा, में बारिश अच्छी हुई है, लेकिन तेज बारिश और मिट्टी कटाव ने चरागाहों और छोटे तालाबों को प्रभावित किया है। इसका असर पशुपालन और मवेशियों की संख्या पर साफ दिखाई दे रहा है। किसानों का कहना है कि यह असमान वितरण उनकी आर्थिक सुरक्षा को डगमगा रहा है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा, लेकिन अदृश्य असर महिलाओं पर पड़ रहा है। राज्य में पीने के पानी की समस्या पहले से ही भयावह है। ऐसे में बाड़मेर, जैसलमेर और टोंक में महिलाएं पहले से ज्यादा दूरी तय कर पानी ला रही हैं। पशुधन के चारे की दिक्कत और रोजगार की कमी ने पुरुषों का पलायन बढ़ा दिया है। इसके कारण खेत और घर दोनों की जिम्मेदारी महिलाओं पर आ गई है। कमला देवी (उनियारा, टोंक) कहती हैं, पहले एक चक्कर में पानी मिल जाता था। अब दो-तीन बार जाना पड़ता है। गर्मी बढ़ने से यह काम और मुश्किल हो गया है।

बार-बार खराब होती फसलें, बढ़ती लागत और घटती पैदावार ने किसानों को कर्ज और मानसिक दबाव के दायरे में ला दिया है। झालावाड़ और कोटा के किसान बताते हैं कि एक खराब सीजन अगले साल को संभालना मुश्किल बना देता है। हेमराज मीणा (झालावाड़) कहते हैं, कर्ज पहले भी था, लेकिन अब डर बढ़ गया है। मौसम कब साथ छोड़ दे, कोई नहीं जानता।

राजस्थान में पानी की स्थिति समय के साथ और अधिक गंभीर होती जा रही है। कई जिलों में अच्छी बारिश के बावजूद भूजल स्तर में स्थायी सुधार नहीं हो पा रहा है। तालाब, जोहड़ और पारंपरिक जल संरचनाएं कमजोर हो रही हैं। इसका असर सीधे गांव की महिलाओं और बच्चों पर पड़ता है। स्थानीय स्तर पर कुछ पंचायतें तालाब, जोहड़ और चेक डैम बनाकर जल संचयन कर रही हैं। रेनवाटर हार्वेस्टिंग, ड्रिप सिंचाई और फसल विविधीकरण के प्रयास भी शुरू हो रहे हैं। फिर भी योजनाओं का लाभ सीमित है।

राजस्थान का ग्रामीण परिदृश्य साफ संकेत देता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चेतावनी नहीं, बल्कि वर्तमान का संकट है। मौसम बदल चुका है। अब हमारी सोच, नीति और तैयारी को भी उसी के अनुसार बदलना होगा।

–मणिमाला शर्मा,
वरिष्ठ पत्रकार

अच्छा साहित्य समाज में पथ प्रदर्शक की भूमिका निभाता है : राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

■ अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मान समारोह में साहित्यकार रवि पुरोहित को राज्यपाल बागड़े ने सम्मानित किया

बीकानेर, (निसं)। पीएमश्री अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालसोट में आयोजित अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि अच्छा साहित्य समाज में पथ प्रदर्शक की भूमिका निभाता है और विद्रूपताओं को मिटाता है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है, जो समाज को नई दिशा एवं सोच देता है। यह समाज को सोचने पर मजबूर करता है। उन्होंने साहित्य के भाव को स्पष्ट करते हुए कहा कि साहित्य में सबका हित निहित होता है। इसका मूल तत्व सबका हित साधना है। उन्होंने कबीर एवं रहीम के साहित्य के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने साहित्य के माध्यम से समाज सुधारने का संदेश दिया, जो रूढियों एवं बुराइयों का प्रतिकार करता है। उन्होंने मैथिली शरण गुप्त एवं वाल्मीकि की ओर से साहित्य के माध्यम से समाज को दिए योगदान का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि देश की आजादी से पहले विदेशियों ने हमारे देश का काफी झूठा इतिहास भी लिखा है, जिसे सुधारने की जरूरत है। उन्होंने इसे आधुनिक साहित्यकारों की जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि आप ऐसे विकृत इतिहास को खोजें और सुधारें। इससे पूर्व राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं अन्य अतिथियों ने अनुराग सेवा संस्थान के 31 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित अखिल भारतीय अनुराग साहित्य अलंकरण समारोह में बीकानेर के साहित्यकार रवि पुरोहित को उनकी काव्य कृति 'आग अभी शेष है' के लिए शकुंतला देवी रावत स्मृति अनुराग साहित्य सम्मान सहित विभिन्न राज्यों से चयनित 31 साहित्यकारों को शॉल, सम्मान पत्र, स्मृति चिह्न एवं सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रवि पुरोहित ने कहा कि पुरस्कार व सम्मान साहित्यकार की सामाजिक जिम्मेदारी का विस्तार करते हैं। साहित्य मनुष्य को केवल मनोरंजन नहीं देता, यह मानसिक व बौद्धिक विकास का सूत्र बीज और विद्रूप के प्रतिकार हेतु चेतना का अमोघ अस्त्र सौंपता है। संवेदना का विकास नव समाज के निर्माण में साहित्य की सबसे बड़ी देन है।

शिविर में वर्षों पुरानी समस्या सुलझी

■ रास्ता लंबे समय से प्रचलन में था, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में कटान दर्ज नहीं होने से ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था

सीकर, (निसं)। ग्राम पंचायत मुख्यालय शाहपुरा, तहसील धोद में आयोजित ग्रामीण समस्या समाधान शिविर-2025 ग्रामीणों के लिए आशा और राहत की किरण बनकर सामने आया। वर्षों से चली आ रही एक गंभीर समस्या, जो रोज़मर्रा के जीवन को प्रभावित कर रही थी, उसका समाधान इस शिविर में कुछ ही मिनटों में हो गया। ग्राम शाहपुरा के लगभग 25-30 परिवारों के लिए एक रास्ता जीवनरेखा के समान था। यह रास्ता लंबे समय से प्रचलन में था, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में कटान दर्ज नहीं होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। कई बार प्रयासों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था। शिविर के दौरान मूलचन्द पुत्र भूराराम, छोटु पुत्र धुकलराम सहित लगभग 20 ग्रामीणों ने अपनी समस्या शिविर प्रभारी के समक्ष रखी। हल्का पटवारी मूलचन्द जाट ने मौके पर ही निरीक्षण कर मात्र 15 मिनट में रास्ते का प्रस्ताव तैयार कर दिया। तहसीलदार धोद भरतदान द्वारा प्रस्ताव को तुरंत स्वीकार कर लिया गया। इस त्वरित कार्यवाही से ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। जिस समस्या ने वर्षों तक परेशान किया, उसका समाधान एक ही शिविर में हो जाना सरकार की जन समस्या समाधान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ग्रामीणों ने इस सफल पहल के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं क्षेत्रीय विधायक गोवर्धन वर्मा का आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित होते रहेंगे, जिससे आमजन की समस्याओं का समाधान समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से हो सके।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 22 दिसम्बर, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र मंगलवार प्रातः 5:32 तक, ध्रुव योग सायं 4:40 तक, कौलव करण दिन 10:52 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 11:07 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-धनु, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज से राष्ट्रीय पौष मास आरम्भ होगा। रज्जब मु.मास 7 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः अमृत सूर्योदय से 8:33 तक, शुभ 9:51 से 11:08 तक, चर 1:42 से 3:00 तक, लाभ-अमृत 3:00 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:15, सूर्यास्त 5:34 तक

मेष
अपने अति व्यावसायिक आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आज धार्मिक-मांगलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

सिंह
घर-परिवार में अनावश्यक वाद-विवाद हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सार-समाचार

लोक अदालत में मामलों का निस्तारण

कोटा, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोटा सत्यनारायण व्यास की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में रविवार को इस वर्ष की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय पर संबंधित न्यायालयों एवं एडीआर सेन्टर कोटा में किया गया, राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन प्रकरणों, विभिन्न न्यायालयों एवं राजस्व विवाद, उपभोक्ता विवाद,एवं अन्य अधिकरणो आयोग/मंचो/आथोरिटी/आयुक्त, प्राधिकारियों के क्षेत्राधिकार से सबंधित लम्बित प्रकरणों हेतु कोटा मुख्यालय पर 10 बैंचों का गठन किया गया। कोटा मुख्यालय पर विभिन्न बैंकों तथा वित्तीय बैंकिंग संस्थाओं के ऋण वसूली से संबंधित तथा बिजली विभाग, बीएसएनएल आदि के बकाया बिलों के वसूली मामलों आदि प्रीलिटिगेशन के प्रकरणों को आपसी समझाईश से निस्तारण हेतु रखे गये। उक्त मामलों में पूर्व से ही इस कार्यालय से पक्षकारों को उपस्थिति हेतु नोटिस जारी किए गए थे तथा ए.डी.आर. सेन्टर में पैनल अधिवक्तागण द्वारा नियमित रूप से पक्षकारान् की प्रि-काउन्सलिंग की गयी और आपसी समझाईश एवं सहमति से प्रकरण निस्तारण के प्रयास किए गए जिस पर अनेको पक्षकारों द्वारा लोक अदालत के माध्यम से अपने प्रकरणों का निस्तारण कराने हेतु ए.डी.आर. सेन्टर जिला न्यायालय परिसर पर उपस्थित होकर अपने प्रकरणों को निस्तारित करवाने का प्रयास किया गया तथा विभिन्न न्यायालयों में लंबित प्रकरणों हेतु पक्षकारों की आपसी समझाईश लोक अदालत हेतु गठित विभिन्न बैंचों के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा की गई। राष्ट्रीय लोक अदालत में कोटा जिले में लंबित प्रकरणों के कुल 49,655 प्रकरण एवं राजस्व प्रकरणो सहित प्री-लिटीगेशन के 53,400 मामले निस्तारित किए गए। इस प्रकार कुल 1,03,055 मामले निस्तारित किए गए।

भारत विकास परिषद का नेत्र शिविर संपन्न

रामगंजमण्डी,(निसं)। शहर में भारत विकास परिषद का प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष में लगने वाला ऐतिहासिक नेत्र शल्य एवं चिकित्सा शिविर रविवार को संपन्न हुआ। इस वर्ष शिविर प्रायोजक सुरेश कुमार, सिद्धार्थ कुमार बाबरिया (दौतड़ा वाले) द्वारा स्व.पूज्य पिता कस्तूरचंदव स्व.माताश्री धापू बाईजी बाबरिया की स्मृति में लगाया गया। इस शिविर में 683 मरीजों की ओपीडी रही। जिसमें सभी का उत्साह व विश्वास देखते ही बन रहा था। वहीं 106 वर्षीय बुजुर्ग माताजी नारायणी बाई भी अपनी आंखों की जांच करवाने शिविर में पँहुची। शिविर में आए सभी 683 मरीजों की आंखों की जांच कोटा भारत विकास परिषद के नेत्र विशेषज्ञ डॉ.राहुल गर्ग व उनकी सहयोगी टीम द्वारा की गई। जिसमें मोतियाबिंद के 256 व नाखूना के 11 कुल 267 रोगियों को ऑपरेशन योग्य पाये जाने पर चयनित किया। जिसमें से आज लगभग 80 मरीजों को ऑपरेशन के लिए कोटा भारत विकास परिषद कोटा की बस द्वारा रवाना करवाया शिविर के शेष ऑपरेशन 3 दिन में संपूर्ण होंगे। परिषद के संजय पतीरा व सुनील जैन ने बताया कि भारत विकास परिषद प्रतिवर्ष नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर करवाता है इस वर्ष का यह नेत्र चिकित्सा शिविर ऐतिहासिक रहा। जबकि विगत 6 दिन में रामगंजमंडी क्षेत्र में दो नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर आयोजित हो चुके हैं उसके बावजूद भारत विकास परिषद के ऊपर इस क्षेत्रवासियों के विश्वास को दर्शाता है। जिसके कारण ही इतने मरीजों का ओपीडी होना व ऑपरेशन के लिए भारत विकास परिषद को ही चयन करना परिषद के प्रति हृदय से विश्वास प्रदर्शित करता है। आगामी 3 वर्ष के गुप्त प्रयोजको ने अपने द्वारा शिविर लगाने की स्वीकृति प्रदान की है।

'महिला की गरिमा सर्वोपरि, हर स्तर पर मिलेगा न्याय का संबल'

- **अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से जुड़े मामलों में समाज कल्याण विभाग के माध्यम से शीघ्र मुआवजा दिलाया जाए।**
- **'पारिवारिक विवादों में प्रशिक्षित प्रोफेशनल काउंसलिंग के माध्यम से सुलह के प्रयास किए जाएं'**

कोटा, (निसं)। महिलाओं की समस्याओं को उनके अपने क्षेत्र में सुनने और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा ''राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार'' अभियान के तहत कोटा संभाग में कोटा विकास प्राधिकरण के सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई की अध्यक्षता आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने की। इस अवसर पर लाडपुरा विधायक कल्पना देवी, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा तथा भाजपा जिला शहर अध्यक्ष राकेश जैन सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के दौरान राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि कई बार महिलाएं सामाजिक, पारिवारिक अथवा परिस्थितिजन्य कारणों से अपनी परेशानियां खुलकर सामने नहीं रख पाती हैं और दिल्ली जाकर आयोग तक पहुंचना उनके लिए कठिन हो जाता है। इसी संवेदनशीलता को समझते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा यह पहल की गई है,जिसके अंतर्गत आयोग स्वयं संभाग एवं जिला स्तर पर पहुंचकर जनसुनवाई कर रहा है, ताकि महिलाओं को उनके क्षेत्र में ही न्याय, मार्गदर्शन और संरक्षण का भरोसा मिल सके। उन्होंने बताया कि मार्च माह से देशभर में इस अभियान की शुरुआत की गई थी और दिसंबर माह तक जनसुनवाई का शतक पूरा होने जा रहा है। यह अभियान महिलाओं को समाज में सम्मान के साथ सशक्त बनाने, उन्हें आत्मविश्वास देने और हर परिस्थिति में संबल प्रदान करने की दिशा में पूर्ण निष्ठा के साथ संचालित किया जा रहा है। जनसुनवाई में कोटा सहित बारां, बूंदी एवं झालावाड़ जिलों से आई महिलाओं के परिवाद सुने गए। घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न, महिला की गरिमा से जुड़े अपराधों सहित अनेक संवेदनशील प्रकरण सामने आए। प्रत्येक परिवाद की गंभीरता को देखते हुए संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर ही निर्देशित किया गया कि वे जांच प्रक्रिया में तत्परता, निष्पक्षता और संवेदनशीलता बरतें तथा पीड़ित महिलाओं को किसी भी स्तर पर असहज स्थिति का सामना न करना पड़े। जनसुनवाई के दौरान एक ऐसा प्रकरण भी सामने आया, जिसमें परिवादी एक हत्या के मामले की गवाह है।

उस मामले में अभियुक्त जमानत पर है तथा परिवादी को अभियुक्त द्वारा लगातार धमकियां दी जा रही थीं। इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए आयोग द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारी को अभियुक्त की जमानत निरस्तीकरण की कार्रवाई प्रारंभ करने के निर्देश दिए गऐं। जनसुनवाई में प्राप्त वॉक-इन परिवादों को आवश्यक कार्रवाई हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पुलिस एवं जिला प्रशासन सहित संबंधित विभागों को अग्रेषित किया गया। आयोग की अध्यक्ष ने पुलिस एवं प्रशासन को पाबंद किया कि हर प्रकरण में महिला की गरिमा, भावना और सुरक्षा सर्वोपरि रखी जाए। जहां आवश्यक हो वहां गवाहों को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए, गंभीर मामलों में अभियुक्त की जमानत के विरोध में सशक्त रूप से न्यायालय में पैरवी की जाए तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से जुड़े मामलों में समाज कल्याण विभाग के माध्यम से शीघ्र मुआवजा दिलाया जाए। पारिवारिक विवादों में प्रशिक्षित प्रोफेशनल काउंसलिंग के माध्यम से सुलह के प्रयास किए जाएं और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सहायता से काउंसलिंग उपलब्ध कराई जाए। कार्यस्थल पर उत्पीड़न से जुड़े मामलों में संबंधित संस्थानों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि दोषियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत की जाऐं। जनसुनवाई में कहा गया कि परिवाद दर्ज होने के बाद अनावश्यक देरी न हो तथा पीड़ित महिलाओं को कानूनी प्रक्रिया की समुचित जानकारी सरल और संवेदनशील भाषा में दी जाए।

सार-समाचार

वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का समापन

कोटा, (निसं)। कोटा जिला वेटलिफ्टिंग संघ द्वारा रघुराई स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में राज्य स्तरीय वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता का भव्य रूप से समापन किया गया, विजेताओं को पदक व प्रशस्ति पत्र सौंपे गए। इस प्रतियोगिता में गंगानगर, बीकानेर, जयपुर ने अपने अच्छे खेल का प्रदर्शन कर कई पदक अपने नाम किए। समापन समारोह में अतिथि के रूप में सीनियर खिलाड़ी व कोटा जिला वेटलिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष जसपाल सिंह आहलूवालिया, सचिव राजकुमार आसोपा, आशिमा गोयल रहे। इस अवसर पर आहलूवालिया ने कहा कि इस प्रतियोगिता से कई उम्मीद जगी है। पहली बार इस तरह का सफल आयोजन कोटा के खेल को भी आगे ले जाएगा और प्रतिभाओं को आगे बढने का अवसर मिलेगा, हमारा पूरा प्रयास रहेगा की कोटा के खिलाड़ी आगे बढ़े। राजकुमार आसोपा ने कहा कि वेटलिफ्टिंग खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से अपने जिले को सिरमौर बनाया। कई युवा खिलाड़ियों को यहां काफी सीखने को मिला। राजस्थान वेटलिफ्टिंग संघ के सचिव रवि शर्मा ने बताया कि सब जुनियर 56 केजी में नरेश (हनुमानगढ़) ने गोल्ड मेडल जीता वहीं प्रियांशी झावा (जोधपुर) ने रजत पदक प्राप्त किया। इसी तरह सब जुनियर 71 केजी में मशीष (हनुमानगढ़) ने गोल्ड जीता, कोशल ने रजत पदक प्राप्त किया। 88केजी में अजय शर्मा ने गोल्ड जीता, सीनियर 60 केजी में रुपेश सैनी (जालौर) ने गोल्ड मेडल जीता, 71 केजी में बंसीलाल (हनुमानगढ़) ने गोल्ड जीता। इसके साथ ही अन्य केटेगिरी में भी विजेताओं को नवाजा गया। इस सफल आयोजन की सभी ने सराहना की। इस सफल आयोजन में उपाध्यक्ष शलभ विजय, नमन जैन, सचिव राजकुमार आसोपा, सह सचिव अनिकेत जैन एवं वाजिद अली मंसूरी, कोषाध्यक्ष शालिनी जोशी तथा सदस्य आशिमा गोयल, राज सिंह और मीना सुमन सहित अन्य पदाधिकारियों की विशेष भूमिका रही।

पर्यावरण प्रेमियों ने रैली निकाली

कोटा, (निसं)। अरावली विरासत बचाओ जन अभियान के तहत रविवार को प्रकृति एवं पर्यावरण प्रेमी नागरिकों ने चम्बल संसद, कौशिक गायत्री परिवार आश्रम बोरखेड़ा, पर्यावरण गतिविधियां, जल बिरादरी, लोक अधिकार मंच, कोटा एनवायरनमेंटल सेनीटेशन सोसायटी,बाघ-चीता मित्र, सोसायटी सेन ईव शी इंटरनेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट,इंटेक, वरिष्ठ जन कल्याण समिति,वुमेन्स वेलफेयर आर्गेनाइजेशन आदि सहयोगी संस्थाओं के आव्हान पर किशोर सागर तालाब बाराद्वारी से छत्र विलास उद्यान में रैली निकाली और जन समर्थन हासिल किया। शाहबाद घाटी जंगल बचाओ संघर्ष समिति के संरक्षक एडवोकेट प्रशांत पाटनी, इंटेक बारां चेप्टर के कंवीनर जितेन्द्र शर्मा ने भी कोटा पहुंच कर अभियान को समर्थन दिया। इस अभियान में सर्वोत्तम न्यायालय द्वारा अरावली पर्वतमाला पर दिए गए निर्णय में जो पहाड़ों की परिभाषा तय की है उससे 100 मीटर से नीचे की पहाड़ियों को पहाड़ ही नहीं माना जाएगा। इस निर्णय से राजस्थान में रेगिस्तान का विस्तार होगा और पहाड़ों, नदियों, जंगलों की बर्बादी का रास्ता खुलेगा। जिससे जलवायु परिवर्तन की विभिषिका से राजस्थान ही नहीं समूचा उत्तर भारत प्रभावित होगा। नदियां खत्म हो जाएंगी और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था चौपट हो जाएगी और बीमारियां बढ़ेंगी। संरक्षक यज्ञदत्त हाडा, संयोजक बृजेश विजयवर्गीय, प्रोफेसर डॉक्टर अरुण शर्मा, एडवोकेट कल्पना शर्मा, डॉ. निधि प्रजापति छात्रों, महिलाओं युवाओं समेत सैकड़ों लोगों ने तालाब की पाल सीवी गार्डन में अरावली बचाने को लेकर जन संपर्क किया। हाड़ा एवं विजयवर्गीय ने बताया कि अभियान के तहत सोमवार को दोपहर 3 बजे राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

आरक्षण चार्ट अब 10 घंटे पहले

कोटा, (निसं)। यात्रियों को आरक्षण की स्थिति की समय रहते सटीक जानकारी उपलब्ध कराने तथा दूर-दराज से यात्रा करने वाले यात्रियों की असमंजस की स्थिति को कम करने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड ने पहली आरक्षण चार्ट तैयार करने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। इस संबंध में रेलवे बोर्ड द्वारा सभी जोनल रेलवे को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि जिन ट्रेनों का प्रस्थान समय प्रातः 05.01 बजे से दोपहर 14.00 बजे के मध्य होता है, उनकी पहली आरक्षण चार्ट अब प्राथमिकता के आधार पर पिछले दिन रात्रि 20.00 बजे तक तैयार की जाएगी।

हर-हर झूले घर-घर झूले

कोटा, (निसं)। चंद्र दर्शन के मौके पर पूज्य सिंधी पंचायत नयापुरा नदी पार कुन्हाड़ी क्षेत्र कोटा द्वारा चंद्र दर्शन पर भगवान श्री झूलेलाल साईं की ज्योत बहराणा साहिब तैयार कर समिति द्वारा भजन कीर्तन, आरती, पल्लव किया गया। इस मौके पर भगवान श्री झूलेलाल साहिब की मूर्ति का अनावरण भी किया गया। समिति के अध्यक्ष दिलीप माखीजा ने बताया कि पूज्य सिंधी पंचायत नयापुरा नदी पार कुन्हाड़ी क्षेत्र कोटा में भगवान श्री झूलेलाल साईं जी की मूर्तिया बनवाई गई है जो कि समाज द्वारा हर घर तक पहुंचाने का प्रयास रहेगा। इसी मौके पर पूज्य पंचायत द्वारा श्री झूलेलाल मंदिर रामतलाई मैदान कोटा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष बसंत वलेचा एवं हरीश पंजवानी व मुरलीधर अलरेजा व समस्त कार्यकारणी का स्वागत किया गया। इस मौके पर पूज्य सिंधी पंचायत कुन्हाड़ी क्षेत्र से घनश्याम मुंशी, विष्णु आसवानी, विजय चावला आदि मौजूद रहे।

समझाश व सुलह से 3280 प्रकरणों का निस्तारण

रामगंजमण्डी,(निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार 21 दिसम्बर रविवार को प्रि-लिटिगेशन, राजस्व एवं राजीनामा योग्य लम्बित प्रकरणों के समझाईश से निस्तारण हेतु अपर जिला एवं सेशन न्यायालय रामगंजमण्डी एवं अति० मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रामगंजमण्डी की दो बैंच गठित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

उक्त लोक अदालत के माध्यम से अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रामगंजमण्डी शैलेष जडिया द्वारा कुल 23 लंबित एवं 397 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निस्तारण किया गया। जिसमें से 5 एम.ए.सी.टी. प्रकरणों में 31,00,000/- रूपये की क्षतिपूर्ति राशि के अवार्ड जारी किए गए। विभिन्न बैंकों एवं फाइनेंस कम्पनियों के लोन वसूली एवं बिजली विभाग के बकाया बिलों संबंधित प्रिलिटीगेशन के 397 प्रकरण का राजीनामे से निस्तारण किया गया। जिनमें लगभग 56 लाख रूपये वसूल हुए। पारिवारिक मामलों से संबंधित कुल 2 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इस प्रकार शैलेष जड़िया की बैंच द्वारा कुल 420 प्रकरणों का निस्तारण इस लोक अदालत के माध्यम से किया गया। इसके अलावा अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रामगंजमण्डी सुमन मीणा की एसीजेएम कोर्ट, एमजेएम कोर्ट व ग्राम न्यायालय खैराबाद की संयुक्त बैंच द्वारा एसीजेएम कोर्ट के 857 प्रकरण, एम.जे.एम. कोर्ट के 1985 प्रकरण एवं ग्राम न्यायालय खैराबाद के 18 प्रकरणों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया गया।

जिनमें कुल 35,85,500 रूपये की वसूली विभिन्न प्रकरणों में की गयी। साथ ही शैलेष जड़िया द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामे से प्रकरण निस्तारित होने आपसी प्रेम भाईचारा बना रहता है और विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया रामगंजमण्डी, एसबीआई कुदायला, एसबीआई खैराबाद, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, विभिन्न फाइनेंस कंपनियों के शाखा प्रबंधकों जेवीवीएनएल रामगंजमण्डी, चेचट और सुकेत के अधिकारी एवं कर्मचारीगण सहित अरूण सक्सेना अधिवक्ता बीमा कम्पनी, पैनल अधिवक्ता जीनत अमान और अंजली भार्गव द्वारा सराहनीय योगदान दिया गया।

अंत में अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति रामगंजमण्डी शैलेष जडिया द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ऊर्जा मंत्री ने दिखाई रन फॉर विकसित राजस्थान हरी झंडी

कोटा, (निसं)। राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों की कड़ी में रविवार को जिला स्तरीय ''रन फॉर विकसित राजस्थान'' को रविवार प्रातः 9.30 बजे उम्मेद सिंह स्टेडियम से ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा एवं लाडपुरा विधायक कल्पना देवी, शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रन उम्मेदसिंह स्टेडियम से शुरू होकर आर्मी सर्किल, जेल रोड, सीबी गार्डन होते हुए पुनः स्टेडियम आकर सम्पन्न हुई। ऊर्जा मंत्री नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पहली बार राज्य सरकार के 2 वर्ष के कार्यो को लेकर जनता को हिसाब देने का कार्य प्रांरभ किया गया है। राज्य सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने के लिए 200 विधानसभा क्षेत्रों में विकास रथ गांव और शहरों में जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रूपये के एमओयू हुए थे जिनमें से 8 लाख करोड़ के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। सर्वाधिक 6 लाख करोड़ रूपये के एमओयू ऊर्जा विभाग के धरातल पर उतरे हैं। कार्यक्रम को कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा एवं लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने भी सम्बोधित किया और राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाई।

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग कोटा खण्ड कोटा
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 160/2025

चूंकि श्री मोहित साह पुत्र श्री अनिल कुमार साह मयुर सिनेमा, मोहन कुटिर, अग्रसेन सर्किल नयापुरा, कोटा अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास श्री मोहनलाल सांधी मेमोरियल धर्मशाला ट्रस्ट नयापुरा कोटा राजस्थान में प्रन्यासियों के परिवर्तन को प्रन्यास में दर्ज अभिलेख करने हेतु जांच किये जाने के लिए प्रपत्र संख्या 8 में आवेदन पत्र दिया है।

अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिये, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 30 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

और सूचित किया जाता है कि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निर्णित किया जायेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।

आज दिनांक 18.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया। प्रकरण में आगामी सुनवाई की दिनांक 23.01.2026 है।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग कोटा

आर्य समाज का वार्षिकोत्सव संपन्न

कोटा, (निसं)। आर्य समाज तलवंडी का दो दिवसीय 48वां वार्षिक उत्सव संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए आर्य समाज तलवंडी के प्रधान भैरोलाल शर्मा ने बताया कि 20 और 21 दिसंबर को आर्य संन्यासी स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान दिवस के अवसर पर आर्य समाज तलवंडी का 48वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। वार्षिक उत्सव पर प्रयागराज से पधारे हुए वैदिक विद्वान आचार्य अशफीर्लाल ने वैदिक सिद्धांतों की विस्तृत व्याख्या की और मानव जीवन को उन्नत बनाने पर विचार प्रकट किया। कार्यक्रम संयोजक मनु सक्सेना ने बताया कि इस अवसर पर चित्रकूट मध्यप्रदेश से पधारे हुए आर्य भजन उपदेशक मुकेश शास्त्री ने सुमधुर वैदिक भजन प्रस्तुत किए, समाज के कोषाध्यक्ष वीरेश आर्य ने बताया कि इस अवसर पर वैदिक विद्वान अग्निमित्र शास्त्री और डी.ए.वी धर्म शिक्षक आचार्य शोभाराम ने विचार प्रकट किए।

महिला समूहों को बैंकों द्वारा प्राथमिकता से ऋण दिए जाएं : विजया रहाटकर

- **राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा है कि महिला सुरक्षा, उनके आत्मसम्मान और उनकी सामाजिक भागीदारी के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से प्रभावी कार्य किया जाए**

कोटा, (निसं)। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा है कि महिला सुरक्षा, उनके आत्मसम्मान और उनकी सामाजिक भागीदारी के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से प्रभावी कार्य किया जाए। कार्य स्थलों पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो और सरकारी योजनाओं में उन्हें बढ़-चढ़कर भागीदारी के अवसर सुलभ हों। महिला आयोग अध्यक्ष रविवार को जिला परिषद सभागार में कोटा संभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में संभाग में महिला केंद्रित योजनाओं की समीक्षाकर रही थीं।

महिला आयोग अध्यक्ष ने कहा कि महिलाएं सुरक्षित वातावरण में गरिमा और सम्मान के साथ स्वावलंबी बनकर सामाजिक भागीदारी निभा सकें, इसके लिए कार्य स्थलों पर नियमानुसार आंतरिक समितियों का गठन सुनिश्चित किया जाए। असंगठित क्षेत्र की महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमानुसार लोकल कमेटी का गठन कर इसके बारे में जागरूक किया जाए ताकि जरूरतमंद महिलाएं निर्भीक होकर शिकायत कर सकें। इन कमेटियों का गठन एक माह के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा, क्रूरता,यौन हिंसा, मानव तस्करी, साइबर क्राईम जैसे मामलों में प्रशासन और पुलिस समन्वय के साथ प्रभावी कार्य करें। वन स्टॉप सेंटर में काउंसलिंग व्यवस्था गुणवत्तापूर्ण रहे और जिला प्रशासन का उसमें दखल रहे। लिंगानुपात में सुधार, किशोरी और महिला स्वास्थ्य के लिए भी जिला प्रशासन स्तर पर प्रभावी कार्य किया जाए। समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाकर महिला स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता बरती जाऐं।

स्वयं सहायता समूहों के कार्यो की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि महिला समूहों को बैंकों द्वारा प्राथमिकता से ऋण दिए जाएं। पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प आदि क्षेत्रों में महिलाओं को बढ़ावा दिया जाए और उत्पादों को जीआई टैग दिलाने के प्रयास हों। हर तीन माह में संबंधित विभागों की समीक्षा कर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यो के क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। आयोग अध्यक्ष ने विवाह पूर्व संवाद केंद्र 'तेरे मेरे सपने' की संभाग के चारों जिलों जिलों में स्थापना और प्रभावी संचालन के निर्देश दिऐं। साथ ही, घरेलू हिंसा एवं अन्य मामलों में प्रोटेक्शन ऑफिसर तथा नोडल ऑफिसर की नियुक्ति के लिए राज्य स्तर पर संवाद स्थापित करने की आवश्यकता जताई।

महिला आयोग अध्यक्ष ने कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं में महिलाओं की सहभागिता और महिला सुरक्षा एवं सहायता की स्थितियों की प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी लेते हुए समीक्षा की। राष्ट्रीय महिला आयोग की कानूनी परामर्शदाता अंजना शर्मा भी उपस्थित रहीं।

संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल ने महिला आयोग अध्यक्ष को विश्वास दिलाया कि उनके मार्गदर्शन अनुसार संभाग के चारों जिलों में महिला केंद्रित योजनाओं एवं कार्यो की प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित करते हुए महिला सुरक्षा एवं सम्मान की दिशा में श्रेष्ठ कार्य किया जाएगा। बैठक में जिला कलक्टर कोटा पीयूष समारिया ने कोटा में एनयूएलएम, राजीविका, लखपति दीदी, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं, सुकन्या समृद्धि योजना सहित अन्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी।

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग कोटा खण्ड कोटा
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन
नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर : 156/2025

चूंकि श्री यशवन्त सिंह डड्डा पुत्र श्री नेमीचन्द, लालचन्द आदर्श विद्या मन्दिर के पास, पचपहाड़ मार्ग, भवानीमण्डी, तहसील भवानीमण्डी, जिला झालावाड़ द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास "श्री जैन श्वेताम्बर चिन्तामणी पार्श्वनाथ मन्दिर" भवानीमण्डी, जिला झालावाड़ में प्रन्यासियों के परिवर्तन को प्रन्यास में दर्ज अभिलेख करने हेतु जांच किये जाने के लिये प्रपत्र संख्या 8 में आवेदन पत्र दिया है।

अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिये, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 30 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निर्णित किया जायेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।

आज दिनांक 18.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया। प्रकरण में आगामी सुनवाई की दिनांक 23.01.2026 है।

सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग कोटा

राजस्थान सरकार
2 साल
नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

झालावाड़ जिले में ₹339 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

मुख्य अतिथि
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

शिलान्यास
- ₹9.40 करोड़ से धतुरिया (डग), ओसाव (सुनेल) एवं बकानी-।। में 33/11 केवी सब-स्टेशन
- ₹3 करोड़ से पीएम कुसुम - ए के तहत सीमल खेड़ी, खानपुर तथा पिपलिया में सौर ऊर्जा संयत्र
- 23 करोड़ से 132 केवी जीएसएस गुराडिया कला एवं लाइनों का निर्माण कार्य
- ₹4 करोड़ से बासोंदिया, चूना भट्टी, अलोदा एवं उमरिया में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय निर्माण
- ₹137 करोड़ के सड़क विकास के कार्य
- ₹26.52 करोड़ से डग, खानपुर एवं मनोहरथाना में मल अपशिष्ट शोधन संयत्र का निर्माण
- ₹99 लाख से उमरिया ग्राम के तालाब के जीर्णोद्धार के कार्य
- ₹9.90 करोड़ से कोहाधिझार एवं नानगरदा में एमएसटी का निर्माण
- ₹22 करोड़ से गोरेश्वर महादेव एनीकट एवं किशननगर एनीकट का निर्माण
- ₹4.80 करोड़ से पुलिस लाइन में 100 महिला क्षमता की बैरिक निर्माण

लोकार्पण
- ₹78.42 करोड़ के सड़क विकास के कार्य
- ₹5 करोड़ से पिड़ावा में 10 केएलडी क्षमता के मल अपशिष्ट शोधन संयत्र का निर्माण
- ₹41 लाख से गुराडिया कला तथा गुराडिया आवर में नवीन नर्सरी
- ₹19 लाख से अभियोजन कार्यालय चौमहला का भवन निर्माण
- ₹14 करोड़ से पीएम कुसुम - सी के तहत सुनेल में 4.06 मेगावाट सोलर संयंत्र की स्थापना

झालावाड़ जिले में विगत 2 वर्षों में अर्जित महत्वपूर्ण उपलब्धियां
- युवाओं को 1,122 नियमित 442 संविदा नियुक्तियां
- प्रधानमंत्री फसल बीमा के तहत 85,600 किसानो को ₹14 करोड़ के बीमा क्लेम
- 4,030 कृषि कनेक्शन जारी
- 28,462 मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित
- 742 पी.एम. किसान समृद्धि केन्द्र स्थापित
- मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना में 19.65 करोड़ रुपए की सब्सिडी
- 717 गांव ओ.डी.एफ. प्लस घोषित
- एन्टी रोमियो स्क्वाड का गठन
- 17,779 स्वामित्व कार्ड जारी
- 74,544 महिलायें लखपति दीदीयां
- 1,799,33 उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में ₹1316.40 करोड़ का अनुदान
- प्रधानमंत्री आवास योजना में 1,503 लाभार्थियों को ₹15.85 करोड़ की सहायता
- लाडो प्रोत्साहन योजना में 15,906 बालिकाओं को ₹13.83 करोड़
- सुनेल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सैटेलाइट चिकित्सालय में क्रमोन्नत

22 दिसम्बर, 2025 | अपराह्न 12:00 बजे | दुधालिया, डग (झालावाड़)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान
राजस्थान संवाद

भोमपुरा गौशाला में गौवंश की मौत का मामला राज्य सरकार तक पहुंचा

जयपुर से पशुपालन विभाग के उच्चाधिकारी रायसिंहनगर पहुंचे और गौशाला का निरीक्षण किया

- ग्रामीणों ने बताया कि गौशाला में लंबे समय से अव्यवस्थाएं थी, लेकिन उच्च अधिकारियों ने समय रहते ध्यान नहीं दिया
- मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) स्तर पर इस पूरे प्रकरण की निगरानी की जा रही है

रायसिंहनगर, (निसं)। यहां गांव भोमपुरा स्थित गौशाला में लगभग 100 गौवंशों की संदिग्ध मौत का मामला राज्य सरकार तक पहुंच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जयपुर से पशुपालन विभाग के उच्चाधिकारी रायसिंहनगर पहुंचे और गौशाला का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) स्तर पर इस पूरे प्रकरण की निगरानी की जा रही है।

पशुपालन विभाग के निदेशक पंकज ओझा, संयुक्त निदेशक मनोज बरवड़ा, डीडी शशि रंजन सर्वा और वरिष्ठ पशु अधिकारी जितेंद्र यादव ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों को जिले में ही रुककर हालात सुधारने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इस बीच जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन ने मामले को दबाने के आरोप लगाए। प्रशासन ने श्यामगढ़ के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र सुथार को निलंबित कर दिया है, जिससे ग्रामीणों और गौसेवकों में रोष बढ़ गया है। बजरंग सेना के संभाग अध्यक्ष रामचंद्र सिहाग और जिला अध्यक्ष दिनेश ठोलिया ने डॉ. सुथार की बहाली की मांग करते हुए आरोप लगाया कि छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर बड़े अधिकारियों को बचाया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि गौशाला में लंबे समय से अव्यवस्थाएं थीं, लेकिन उच्च अधिकारियों ने समय रहते ध्यान नहीं दिया। उनका आरोप है कि अब मामला सामने आने पर केवल निचले स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। शनिवार को गौशाला में नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर ग्रामीणों और प्रशासन की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि जब तक निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा। वर्तमान में गौशाला में 55 गोवंश बीमार स्थिति में हैं। आठ पशु चिकित्सक, 12 एलएसए (पशुधन सहायक) और चार पशुधन सहायकों की एक टीम उनके उपचार में जुटी हुई है।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर जर्मन दंपती को ठहराया, मामला दर्ज

- आरोपी के खिलाफ अप्रवास अधिनियम के तहत मामला दर्ज, पहले धर्मांतरण का केस भी हुआ था

श्रीकरणपुर, (निसं)। यहां भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक जर्मन दंपती को अवैध रूप से ठहराने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई थाने के उपनिरीक्षक माला सिंह की रिपोर्ट पर अप्रवास विदेशी विषयक अधिनियम 2025 के तहत की गई है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित श्रीकरणपुर क्षेत्र में विदेशी नागरिकों के आगमन पर सख्त प्रतिबंध हैं। यदि कोई विदेशी नागरिक यहां आता है, तो उसके लिए कड़े नियम लागू होते हैं। इसके बावजूद जर्मन दंपति श्रीकरणपुर पहुंचा और सूत्रों के अनुसार गांव 16 एस माझीवाला के सीमावर्ती क्षेत्र में भी घूमकर आया था। इससे पहले विश्व हिंदू परिषद सहित जागरूक लोगों की सूचना पर चल रहे धर्मांतरण के खेल पर पुलिस ने दबिश दी थी।

पूर्व में शरद गुंबर की रिपोर्ट पर धर्मांतरण के नए कानून के तहत एक मुकदमा दर्ज किया गया था। अब उपनिरीक्षक माला सिंह ने विदेशी नागरिकों को यहां ठहराने और उनके खाने-पीने की व्यवस्था करने वाले युवक के खिलाफ अलग से मामला दर्ज कराया है। उपनिरीक्षक माला सिंह ने धारा 170 बीएनएसएस में गिरफ्तार बलजिंदर सिंह और राजेश कंबोज से पूछताछ की। जर्मन निवासी सेवनबोस बैटसलर पुत्र रिगो बैटसलर और उनकी पत्नी सांडर बैटसलर को राजेश कुमार कंबोज ने श्रीकरणपुर के कचीथेड़ी स्थित अपने मकान में तीन-चार दिन तक ठहराया था। राजेश कुमार कंबोज ने इन विदेशी नागरिकों को रहने और खाने-पीने की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई थी। राजेश पॉपी द्वारा अपने रिहायशी मकान में सीमावर्ती क्षेत्र में नियम विरुद्ध विदेशी नागरिकों को ठहराने और इसकी सूचना एफआरओ (विदेशी पंजीकरण अधिकारी) या स्थानीय पुलिस प्रशासन को नहीं देने का यह कृत्य धारा 8/23 अप्रवास व विदेशी विषयक अधिनियम 2025 के तहत दंडनीय है। इन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार जांच थानाधिकारी को सौंपी गई है।

हाईवे पर बदमाशों ने वाहनों पर पथराव किया

नेशनल हाईवे-48 की घटना, 8-10 वाहनों के कांच टूटे

- ट्रक ड्राइवर ने एक व्यक्ति को पत्थर मारते हुए देखा था, उस आधार पर एक युवक को पकड़ा

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के ऋषभदेव थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर कुछ बदमाशों ने रविवार को चलते वाहनों पर पथराव किया। पथराव से आठ-10 वाहनों के कांच टूट गए। एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गया। वहीं, डूंगरपुर डिपो की रोडवेज बस पर अचानक पत्थर बरसने से यात्री सहम गए। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं लगी।

घटना कागदर आवासीय स्कूल के सामने ओवरब्रिज की है। जहां ट्रक, बस और कार पर पथराव हुआ। अचानक पथराव होता देख वाहनों चालकों ने गाड़ियां रोक ली। वे वाहनों से बाहर आ गए और विरोध जताने लगे। घटना के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए लंबा जाम लग गया। सूचना पर ऋषभदेव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। थानाधिकारी हेमंत अहारी ने बताया कि एक ट्रक ड्राइवर ने एक व्यक्ति को पत्थर मारते हुए देखा था। उस आधार पर एक युवक को पकड़ा है। हालांकि वह युवक मानसिक रूप से कमजोर लग रहा है। पूछताछ में स्पष्ट नहीं बता रहा। हालांकि पुलिस घटना में और भी लोगों के शामिल होने की आशंका पर जांच में जुटी है।

एमपी से दिल्ली ले जाई जा रही 1.11 करोड़ की नगदी सहित पांच गिरफ्तार

नाकाबंदी के दौरान स्कार्पियो कार से नगदी जब्त की, मौके पर मशीन मंगवाकर नोटों की गिनती करवाई

- तलाशी में कार में बैग मिले, जिसमें 500, 200,100 व 50 रुपए के नोटों के बंडल थे

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अवैध गतिविधियों पर अंकुश अभियान के तहत मध्य प्रदेश से दिल्ली ले जाई जा रही स्कार्पियो कार से एक करोड़ 11 लाख रुपए की नगदी के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार व कार जब्त की है।

सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह मीणा व सीओ हेमराज बैरवा के नेतृत्व में सवाई माधोपुर जिले भर में नाकाबंदी कर वाहनों की संधन तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान 20 दिसंबर को रवांजना डूंगर थाना प्रभारी दिलीप कुमार वर्मा व मानटाउन थाना प्रभारी सुनील कुमार गुप्ता की टीमों द्वारा नाकाबंदी के दौरान मध्य प्रदेश से दिल्ली जा रही स्कार्पियो कार को रोका गया। कार के आगे, पीछे नंबर प्लेटों पर मिट्टी लगी थी व कार सवार पांच लोगों के हावभाव भी संदिग्ध पाए जाने पर पूछताछ की गई। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर वाहन की तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान पीछे की सीट पर बैग मिले, जिसमें 500, 200,100 व 50 रुपए के नोटों के बंडल मिले, जिन्हें मशीन मंगवाकर गिनती कराए जाने पर एक करोड़ 11 लाख रुपए निकाले। कार में सवार पांच लोगों से पूछताछ करने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इस पर पुलिस ने अवैध संग्रहण व परिवहन पाए जाने पर धारा 106 बीएनएस के तहत राशि को जब्त कर आयकर विभाग को सूचित किया।

आयकर विभाग रवांजना डूंगर थाने में आरोपियों से पूछताछ कर रही है। आरोपियों में मयंक राठौर निवासी तलवाड़ा डैम जिला बड़वानी मध्य प्रदेश, विश्वनाथ साहू निवासी सोनाघाटी जिला बैतूल मध्य प्रदेश, सचिन जायसवाल निवासी सलावत जिला खरगोन मध्य प्रदेश, सुदामा कुशवाह निवासी बड़ागरी जिला दतिया मध्य प्रदेश व राकेश मरकाम निवासी मरकाम ढाना जिला छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश को गिरफ्तार कर आयकर विभाग की टीम रवांजना डूंगर थाने में पूछताछ कर रही है।

कॉपर तार और ऑयल चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

सिंगल फेज ट्रांसफॉर्मर से कॉपर और ऑयल चुरा लिया था

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की दोवड़ा थाना पुलिस ने घोड़ी आमली गांव में सिंगल फेज डीपी (डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर) से कॉपर तार और ऑयल चोरी करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक रुमानाथ उर्फ रुमालिया पर उदयपुर के दो थानों में कुल 11 मामले दर्ज हैं। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

दोवड़ा थानाधिकारी परमेश्वर पाटीदार ने बताया कि यह मामला दोवड़ा एवीवीएनएल के एईएन नरेश कुमार मीणा की रिपोर्ट पर दर्ज किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, घुनीफला फला घोड़ी आमली में लगे सिंगल फेज ट्रांसफॉर्मर को 17 दिसंबर की रात दो अज्ञात व्यक्तियों ने नीचे गिरा दिया था। इसके बाद उन्होंने ट्रांसफॉर्मर से कॉपर और ऑयल चुरा लिया।

मामले को लेकर पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी पप्पू पुत्र रंगलाल कनिपा, निवासी गणेश लीमड़ी घोड़ी आमली तथा उसके सहयोगी रमानाथ उर्फ रुमालिया कालबेलिया को गिरफ्तार किया। रुमालिया मठ मादड़ी, प्रतापनगर, उदयपुर का निवासी है और वर्तमान में वाड़ी घाटी परसाद में रह रहा था। दोनों आरोपियों ने पूछताछ के दौरान डीपी से कॉपर और ऑयल चोरी की वारदात कबूल कर ली है। आरोपी रुमालिया के खिलाफ उदयपुर के प्रतापनगर थाने में 10 और नाई थाने में एक सहित कुल 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आगे जांच कर रही है।

53 हजार रूपये रिफंड करवाये

टोंक, (निसं)। थानाधिकारी निवाई घासीराम के नेतृत्व में गठित टीम ने अज्ञात सायबर ठग द्वारा परिवादी के खाते से 53 हजार रूपये ऑनलाईन धोखाधड़ी पूर्वक हड़पने के बाद थाना पुलिस ने ठगों से बाद जांच के 53 हजार रूपये वापिस परिवादी के खाते में रिफण्ड करवाया। थानाधिकारी निवाई ने बताया कि गत 3 दिसम्बर को परिवादी विजय शंकर द्विवेदी निवासी यश बैंक की गली भगत सिंह कॉलोनी निवाई द्वारा थाना निवाई में प्रकरण दर्ज कराया गया कि अज्ञात आरोपी द्वारा मेरी पत्नी पूजा के यूनियन बैंक के खाते से 53 हजार रूपये बिना उसकी अनुमति के काट लिये।

कैंपर गाड़ी ने पांच युवकों को टक्कर मारी, दो की मौत

सड़क किनारे खड़े थे पांचों युवक, तभी हादसा हुआ

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के कोटड़ी थाना क्षेत्र में सवाईपुर रोड पर ढोकलिया विद्युत ग्रिड के पास शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। सवाईपुर की ओर से तेज रफ्तार से आ रहे एक कैंपर ने सड़क किनारे खड़े पांच युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जानकारी मिलते ही 108 एम्बुलेंस और कोटड़ी थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है। मृतकों के शव कोटड़ी अस्पताल की मोर्चरी में रखे गए हैं।

थाना प्रभारी महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि हादसे में बनेड़ा थाना क्षेत्र के डगास निवासी गोविंद पिता कल्याण भील और बाबू पिता शंकरलाल भील की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, डगास के ही भैरू पिता धन्ना भील, विनोद पिता बद्रीलाल भील और फूलिया कला थाना क्षेत्र के रूपपुरा निवासी सांवरा पिता शंकरलाल भील घायल हुए हैं। रविवार को परिजनों के आने के बाद दोनों शवों का कोटड़ी चिकित्सालय में पोस्टमॉर्टम किया गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की गहन जांच कर रही है।

युवक की हत्या कर शव गड्ढे में फेंका, आरोपी गिरफ्तार

महिला से एक तरफा प्रेम के चलते वारदात को अंजाम दिया था

- चितौड़गढ़ हाईवे पर गड्ढे में मृतक का शव मिला था

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके के चितौड़गढ़ हाईवे पर धारदार हथियार से हमला कर युवक की हत्या कर गड्ढे में शव फेंकने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस टीम ने हत्यारे को घटना के कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या के मामले में आरोपी दिलभर गुर्जर को गिरफ्तार किया है।

मामले में सामने आया कि मृतक व आरोपी एक दूसरे से परिचित थे और एक महिला से एक तरफा प्रेम के चलते आरोपी ने मृतक को रास्ते से हटाने के लिये उस पर धारदार हथियार चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी और बाद में शव को गड्ढ में फेंक कर फरार हो गया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 20 दिसम्बर को गुर्जर चौक के पास चितौड़गढ़ हाईवे के फोरलेन की स्लीप लाईन के पास एक गड्ढे में व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली, जिस पर आरकेपुरम पुलिस टीम व घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। शहर एसपी ने बताया कि मृतक की पहचान बाद में रोझड़ी निवासी करण के रूप में हुई। शहर एसपी ने बताया कि मृतक के पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिये शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में आरकेपुरम् थानाधिकारी संदीप विश्नोई एवं कोतवाली थानाधिकारी महेन्द्र मारू के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम व जांच में जुटी डीएसटी टीम ने विभिन्न पहलु पर घटना की जांच की, टीम ने आस-पास लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले। गठित टीम ने ब्लांड मर्डर का खुलासा करते हुए करण की हत्या के मामले में दिलभर गुर्जर को दौलतगंज के पास से डिटेन कर अनुसंधान के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि हत्या के आरोपी दिलभर गुर्जर से पूछताछ में सामने आया कि दिलभर गुर्जर एक महिला से एक तरफा प्यार करता था, उसको शक था कि करण का उस महिला से नजदीकी संबध है इस कारण उसका प्यार सफल नहीं हो पा रहा है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कुछ दिन पूर्व झगड़ा भी हुआ था और एक तरफ प्यार के चलते दिलभर गुर्जर ने करण पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि 19 दिसम्बर को जब करण बाइक को ठीक करवाने निकला था तो दिलभर गुर्जर ने उसकी रैकी कर उसका पीछा किया और बाइक ठीक कराने के बाद शाम को घर जा रहा था तो उसका पीछा कर रहे दिलभर गुर्जर ने फोरलेन स्लीप लाइन के पास उसको रोककर धारदार हथियार चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी और आरोपी चाकू को पास के पत्थरों में छिपाकर स्कूटी से फरार हो गया था। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान किया जा रहा है।

इको कार से 19 पेटी अवैध शराब बरामद, छह गिरफ्तार

- आरोपी सवारियों की आड़ में शराब को गुजरात ले जाने की फिराक में थे

डूंगरपुर, (निसं)। जिला स्पेशल पुलिस टीम (डीएसटी) ने बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के संचिया के पास अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक पैसेंजर इको गाड़ी से 19 पेटी अवैध शराब बरामद की है। इस मामले में ड्राइवर और 3 महिलाओं सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

एसपी मनीष कुमार ने बताया कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। तस्कर इस अभियान से बचने के लिए नए तरीके अपना रहे हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि तस्कर पैसेंजर गाड़ियों में सवारियों की आड़ में अवैध शराब की तस्करी कर रहे हैं। इस सूचना पर डीएसटी की टीम को संचिया वरहात फला की ओर रवाना किया गया। टीम ने अवैध शराब से भरी एक इको कार को रोका।

पुलिस को देखकर ड्राइवर घबरा गया। गाड़ी में सवारियां होने के कारण किसी को शक नहीं हुआ। पुलिस ने जब गाड़ी की तलाशी ली, तो सवारी बैग में ही शराब की 19 पेटियां भरी हुई मिलीं। आरोपी सवारियों की आड़ में शराब को गुजरात ले जाने की फिराक में थे।

पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में प्रवीण (40) पुत्र मीठालाल भगोरा निवासी संचिया, अजय (26) पुत्र विनोद घांसी निवासी कंकाड़ीवास थाना सरदार नगर अहमदाबाद, अजय (23) पुत्र रमेश भाई ठाकोर, आरती (40) पत्नी प्रमोद तमाईचे, सपना (40) पत्नी अजय तमाइचे और राजेश्वरी (33) पत्नी संजू भाई को गिरफ्तार किया है।

ब्लैकमेल करने का आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रताप नगर थाना पुलिस ने अश्लील वीडियो और आपत्तिजनक फोटो वायरल कर ब्लैकमेल करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी राजपाल सिंह ने बताया कि एक महिला ने गत दोनों थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसकी बेटी की शादी से पहले आरोपी आईदान बंजारा उसकी इंस्टाग्राम आईडी के माध्यम से युवती के आपत्तिजनक फोटो वायरल कर रहा है, इसके बाद पीड़िता के पति को जान से मारने की धमकी देते हुए रुपए की भी मांग की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी आईदान बंजारा पुत्र दुर्गा बंजारा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त कर मामले की जांच शुरू की है।

80 लाख रूपये के गबन में सोसायटी की महिला सचिव गिरफ्तार

मामले में सोसायटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष को गिरफ्तार कर चुकी है पुलिस

- महिला आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने इलाके के महालक्ष्मीपुरम सोसायटी के फंड व बैंक खातों में जमा करीब 80 लाख रूपये के गबन व हेराफेरी के मामले में वांछित महिला आरोपी सोसायटी की सचिव महालक्ष्मीपुरम् निवासी रेणु तोमर को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में पूर्व में सोसायटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष को गिरफ्तार कर चूकी है।

बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर ने बताया कि 12 दिसम्बर को महालक्ष्मीपुरम् निवासी फरियादी ने रिपोर्ट दी थी कि सोसायटी के कुछ पदाधिकारियों ने सोसायटी फंड व बैंक खातो में जमा तकरीबन 80 लाख रूपये का गबन व हेराफेरी की है। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान करते हुए पूर्व में महालक्ष्मीपुरम् सोसायटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष को गिरफ्तार किया जा चूका था। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में अनुसंधान के बाद आरोप प्रमाणित होने पर कार्यवाही करते हुए सोसायटी की सचिव महिला आरोपी रेणु तोमर (35) को गिरफ्तार किया। महिला आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से महिला आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

झोपड़ियों में लगी आग, हादसा टला

कोटा, (निसं)। डकनिया रेलवे स्टेशन के पास रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक से झोपड़ियों में आग लग गई। झोपड़ियों में आग लगने की सूचना पाकर अग्निश्मन विभाग की दमकल मौके पर पहुंची और आग को फैलने से पहले समय रहते आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि जिस समय झोपड़ी में आग लगी, उस समय टापरी में मजदूर अंदर नहीं थे, मजदूर काम के लिये निकल गये थे।

मुख्य अग्निश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि रविवार सुबह डकनिया स्टेशन के पास बनी टापरियों में आग लगने की सूचना मिली, जिस पर तुरंत प्रभाव से दमकल को रवाना किया गया। अग्निश्मन अधिकारी ने बताया कि आग दो टापरियों में फैली थी, समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। डकनिया स्टेशन के पास करीब एक दर्जन से ज्यादा टापरियां बनी हुई है। आग की चपेट में आने से टापरियो में रखे मजदूरों के कपड़े व अन्य सामान जल गये, आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।

भीलवाड़ा में खाली पड़े मकानों के नाम पर 10 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

आरोपी ने दो मकान के फर्जी आवंटन बताकर रुपए की ठगी की थी

गिरफ्तार आरोपी।

- फर्जी लेटर पैड पर अधिकारियों के फर्जी साइन और सील लगाकर मकान का फर्जी आवंटन किया जा रहा था

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के खाली पड़े मकानों के नाम पर ठगी का खेल रचने वाले मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया है।

थानाधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के खाली पड़े मकान के नाम पर ठगी का एक खेल रचा जा रहा था। शहर के तिलक नगर विस्तार, चंद्रशेखर आजाद नगर सहित अन्य क्षेत्रों में खाली पड़े मकान बाहर के लोगों को दिखाकर 5 से 10 गुना कम रेट में बेचने का दावा कर फर्जी लेटर पैड पर अधिकारियों के फर्जी साइन और सील लगाकर मकान का फर्जी आवंटन किया जा रहा था। यहां तक कि लेटर पैड पर सचिव नाम से हस्ताक्षर किए गए जबकि हाउसिंग बोर्ड में सचिव नाम की कोई पोस्ट होती ही नहीं है।

इसी तरह से 10 लाख रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी करने वाले मुख्य आरोपी मुकेश नाराणीवाल को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। प्रताप नगर थाना अधिकारी राजपाल सिंह का कहना है कि जवाहर नगर निवासी भगवती लाल भाट ने नाराणीवाल के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया था, इसके बाद जब पुलिस मामले की गहनता से जांच में जुटी तो कई चौंकाने वाले खुलासे हुए और पूरी वारदात खुलकर सामने आई। पुलिस ने भगवती लाल की रिपोर्ट पर मुकेश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मुकेश ने भगवती लाल के भतीजे प्रदीप कुमार को दो मकान के फर्जी आवंटन बताकर 10 लाख रुपए की ठगी को अंजाम दिया था। आरोपी ने 26 जुलाई को प्रत्येक प्लॉट के पैठे 5-5 लाख रुपए जमा करवाने की बात कह कर दो-दो लाख ले लिए। बाद में दो मकान के आवंटन होने की रसीद लाकर 6 लाख और लिए गए। आवंटन आदेश मांगा तो टालमटोल करने लगा, तब परिवादी को शंका हुई और उसके बाद मामला थाने तक पहुंचा। उसके बाद पुलिस जांच में यह पूरा खेल खुलकर सामने आ गया।

महिला पर ब्लैकमेल करने का आरोप, केस दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक युवक ने साथ में काम करने वाली युवती पर ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए हैं। पीड़ित के परिवाद पर जवाहर नगर थाने में केस दर्ज किया गया है। एएसआई राजकुमार अरोड़ा को मामले की जांच सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार पीड़ित युवक जसप्रीतसिंह ने आरोप लगाए हैं कि उसके साथ बीमा एजेंट के रूप में काम करने वाली युवती से दोस्ती हो जाने पर बातचीत होने लगी। आरोपिया ने पिछले साल अगस्त माह में प्रपोज किया। पीड़ित ने स्वयं को शादीशुदा होने का हवाला देकर शादी नहीं कर सकने के बारे में बताया। इस पर आरोपिया ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी दी और मामला निपटाने को पांच लाख रुपए की डिमांड की। पीड़ित ने मामला शांत करने को आरोपिया को ऑनलाइन पेमेंट करनी शुरू की। आरोपिया श्रीगंगानगर में किराए का मकान लेकर रहने लग गई। इसका खर्चा भी पीड़ित उठाता रहा। अब आरोपिया पांच लाख रुपए एकमुश्त मांग रही है और नहीं देने पर गांव में आकर बदनाम करने तथा मुकदमा दर्ज करवाने की धमकियां दे रही है।

डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, राजस्थान, जयपुर
कार्यालय चुनाव अधिकारी
रमाबाई कांफ्रेंस हॉल, 13-14, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर
क्रमांकः चुनाव/2025/SP.10 दिनांकः 14.12.2025
सूचना
डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान के सभी समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि अपरिहार्य कारणों से पूर्व में चुनाव समिति का स्थापित कार्यालय रमाबाई कांफ्रेंस हॉल, डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, झालाना डूंगरी जयपुर को स्थानान्तरित कर सी-ब्लाक, रैगर छात्रावास, सांस्थानिक क्षेत्र, JLN मार्ग, दैनिक भास्कर समाचार पत्र कार्यालय के पीछे तथा RAS क्लब के पास कर दिया गया है। चुनाव सम्बन्धी समस्त कार्य रैगर छात्रावास से ही संचालित किये जायेंगे। नामांकन फॉर्म भी वर्तमान कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं।
जे.पी. विमल IAS(R) अध्यक्ष चुनाव समिति

युवा स्वस्थ दिनचर्या का पालन कर फिट रहें और प्रदेश के विकास में योगदान दें : मुख्यमंत्री

'राज्य सरकार 92 हजार नियुक्तियां दे चुकी, इस माह भी 20 हजार युवाओं को मिलेंगी नौकरी'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं से आव्हान किया कि, स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहें तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें, जिससे प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू सके। अगर प्रदेशवासी एक कदम आगे बढ़ेंगे तो राजस्थान कई गुना आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री, राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की कड़ी में रविवार को ''रन फॉर विकसित राजस्थान'' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अमर जवान ज्योति से ''रन फॉर विकसित राजस्थान'' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को ''रन फॉर विकसित राजस्थान'' में युवाओं के साथ दौड़े।

- **पिछली कांग्रेस सरकार में पेपरलीक हुए; हमने 296 भर्ती परीक्षाएं करवाईं, इनमें से एक का भी पेपरलीक नहीं हुआ : भजनलाल शर्मा**

भजनलाल शर्मा ने कहा कि, हमारी सरकार ने बीते दो वर्ष में हर क्षेत्र और हर वर्ग के उत्थान के लिए निर्णय लिए। विशेषकर युवाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस कदम उठाए है। जबकि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदते हुए अनेक पेपरलीक के प्रकरण हुए थे, जबकि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। हमारा लक्ष्य है कि युवाओं को 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरियां दी जाए। राज्य सरकार ने बीते 2 वर्ष के कार्यकाल में अब तक 92 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रदान की है तथा 1.53 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। इस माह भी लगभग 20 हजार पदों पर युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है।राज्य सरकार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दे रही है, जिससे वे अब रोजगार प्रदाता भी बन रहे है।

युवा मामलात एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने दो वर्ष में हर क्षेत्र में काम किया हैं, जिससे युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर मिले हैं। हमारी सरकार राज्य को भारत में अग्रणी स्टेट बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ दौड़ में हिस्सा लेकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इससे पहले भजनलाल शर्मा ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के पदक विजेताओं का सम्मान भी किया। इस दौरान विधायक कुलदीप, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल नीरज के. पवन सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी मौजूद रहे।

राजस्थान में परिवहन और लॉजिस्टिक अवसंरचना मजबूत कर रही सरकार

- **पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के चार स्टेशन टू-लेन सड़कों से जुड़े, 8 स्टेशनों का काम शीघ्र होगा पूरा**
- **112 करोड़ रुपये की लागत से 59 किलोमीटर लंबी टू-लेन सड़कों का निर्माण**
- **564 किलोमीटर फ्रेट कॉरिडोर पर 18 नवीन फ्रेट स्टेशन विकसित कर रही है राज्य सरकार**

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं प्रभावी नीतियों के फलस्वरूप राजस्थान में परिवहन तथा लॉजिस्टिक अवसंरचना के विकास की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। राज्य सरकार द्वारा माल परिवहन लागत में कमी लाने एवं औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गत 2 वर्षों में किए गए प्रयास अब मूर्त रूप ले रहे है।

माल परिवहन को और अधिक सुलभ, त्वरित एवं किफायती बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की प्रमुख धुरी माने जाने वाले पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) के प्रदेश से गुजरने वाले खंड में सभी फ्रेट कॉरिडोर स्टेशनों को ऑल-वेदर टू-लेन सड़कों से जोड़ने का काम किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के 12 नवीन स्टेशनों तक कनेक्टिविटी सुदृढ़ करने के लिए लगभग 112 करोड़ रुपये की लागत से 59 किलोमीटर लंबी टू-लेन सड़कों के निर्माण का कार्य प्रगतिरत है। इनमें से चार स्टेशनों- किशनगढ़, मारवाड़ जंक्शन, केशवगंज एवं बनास स्टेशनों तक सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

अन्य आठ स्टेशनों, श्रीमाधोपुर, सराधना, हरिपुर, चंडावल, जवाली, बिरोलिया, साखून एवं स्वरूपगंज स्टेशनों को भी टू-लेन सड़कों से जोड़ने का कार्य जारी है। इन सड़कों के निर्माण से उद्योगों को कच्चे माल एवं तैयार उत्पादों के परिवहन में सुगमता मिलेगी साथ ही लागत में भी कमी आएगी। लॉजिस्टिक दक्षता में वृद्धि होने के कारण औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा तथा रोजगार के नवीन अवसर उपलब्ध होंगे।

फ्रेट कॉरिडोर की कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ बनाने के लिए बधाल डीएफसीसी टर्मिनल को राष्ट्रीय राजमार्ग-52 से जोड़ने के लिए 95 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। साथ ही मुख्य जिला सड़क-81 पर बागावास बाईपास के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। यहां भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

इसके अतिरिक्त मंडा रीको औद्योगिक क्षेत्र को लालासर (एमडीआर-81) से जोड़ने के लिए 9 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी प्रदान की जा चुकी है एवं कार्य प्रगति पर है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय रेलवे द्वारा विकसित किए जा रहे 1504 किलोमीटर लंबे पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में से लगभग 564 किलोमीटर का महत्त्वपूर्ण खंड राजस्थान से होकर गुजरता है। इस मार्ग पर 18 नवीन फ्रेट स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। इनमें से 12 स्टेशन पूर्व में समुचित सड़क सुविधा से वंचित थे। राज्य सरकार की बजट घोषणा के बाद इन सभी स्टेशनों को ऑल वेदर रोड से जोड़ने का काम प्रगति पर है।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में टाइगर व लायन सफारी बनी आकर्षण का केन्द्र

- **20 दिनों में 30 हजार से ज्यादा सैलानियों ने लिया रोमांचक अनुभव**

जयपुर। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रविवार को पर्यटकों का सैलाब उमड़ पड़ा। बदलते मौसम के सुहावने मिजाज और छुट्टी के दिन के उत्साह ने पर्यटकों को प्रकृति की गोद में खींच लाया। कुल 4025 सैलानियों ने नाहरगढ़ जैविक उद्यान का भ्रमण कर वन्यजीवों का नजदीक से अवलोकन किया।

इस दौरान लायन सफारी और टाइगर सफारी पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण बनी रहीं। उप वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि 552 पर्यटकों ने दोनों सफारियों का रोमांचक अनुभव प्राप्त किया और शेर व बाघ की चंचल अदाओं को देख उत्साहित हुए। बाघों की गर्जना और शेरों के शाही ठाठ ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गौरतलब है कि पर्यटन सीजन में सैलानियों का सैलाब उमड़ रहा है यही कारण है कि विगत 20 दिनों में 30 हजार से अधिक सैलानी टाइगर व लायन सफारी का रोमांचक अनुभव उठा चुका हैं।

उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं और प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एसीएफ देवेंद्र सिंह राठौड़, रेंजर शुभम शर्मा ने रविवार को सफारियों की सघन मॉनिटरिंग की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रैंज अधिकारी शुभम शर्मा की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी संचालन और भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था की गई।

युवक से मोबाइल छीन भागे बदमाश

जयपुर। गांधी नगर इलाके में बाइक सवार बदमाश पैदल फोन पर बात करते जा रहे युवक के हाथ पर झपट्टा मार आईफोन छीनकर फरार हो गए। अचानक हुई वारदात से पीड़ित घबरा गया और बाइक के नंबर नहीं देख सका। पीड़ित ने थाने पहुंच घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए आसपास नाकाबंदी भी की। लेकिन पुलिस के हाथ कोई सफलता नहीं लगी। पुलिस ने बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी तलाश शुरु कर दी है। हेड कॉन्स्टेबल भरतलाल ने बताया कि रोताश सिंह (33) डीग,कुम्हेर निवासी शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे नारायण सिंह सर्किल से नगर निगम कार्यालय की तरफ पैदल मोबाइल फोन पर बात करता हुआ जा रहा था। इसी दौरान सुबोध कॉलेज के गेट के पास रॉग साइड से आए बाइक सवार बदमाशों ने उसके हाथ पर झपट्टा मारा और आईफोन -13 प्रो छीनकर फरार हो गए। पीड़ित ने बाइक सवार बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन बाइक सवार बदमाश तेज रफ्तार में बाइक चलाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

अशोक गहलोत का दावा ''90 प्रतिशत अरावली खत्म हो जाएगी'' पूरी तरह भ्रामक और असत्य : राजेन्द्र राठौड़

'अरावली श्रृंखला के मानदंड कांग्रेसराज में लागू हुए थे, वर्ष 2003 में जिलेवार नक्शे भी मुख्यमंत्री रहते गहलोत ने जारी किए थे'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाजपा के पूर्व उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का यह दावा पूरी तरह भ्रामक और झूठा है कि ''90 प्रतिशत अरावली खत्म हो जाएगी।'' अरावली पर्वतमाला जैसे गंभीर पर्यावरणीय विषय पर सुप्रीम कोर्ट और केन्द्र सरकार के विरूद्ध भ्रम फैलाना दुर्भाग्यपूर्ण है। करीब ढाई अरब साल पुरानी, विश्व की सबसे प्राचीन 700 किमी लंबी अरावली पर्वत श्रृंखला में 100 मीटर का मानदंड केवल ऊंचाई तक सीमित नहीं है। न्यायालय द्वारा स्वीकृत परिभाषा के अनुसार 100 मीटर या उससे ऊंची पहाड़ियों, उनकी ढलानों और दो पहाड़ियों के बीच 500 मीटर के क्षेत्र में आने वाली सभी भू-आकृतियां खनन पट्टे से पूरी तरह बाहर रखी गई हैं, चाहे उनकी ऊंचाई कुछ भी हो। यह व्यवस्था पहले से अधिक सख्त और वैज्ञानिक है।

राजेन्द्र राठौड़

- **अरावली सुरक्षित है, सरकार का रुख स्पष्ट है-अरावली पर्वतमाला की सुरक्षा, पर्यावरण संतुलन और कानून का पालन सर्वोपरि रहेगा : राठौड़**
- **राठौड़ ने कहा कि गत 18 दिसंबर को गहलोत ने ''अरावली बचाओ'' के नाम पर सोशल मीडिया पर अभियान छेड़ा और प्रोफाइल पिक्चर बदली। परंतु राहुल गांधी, खरगे, पायलट अथवा डोटासरा ने अपनी प्रोफाइल फोटो नहीं बदली। यह दर्शाता है कि जो दावा गहलोत कर रहे हैं, उसमें स्वयं उनकी पार्टी का समर्थन भी नहीं है।''**

राठौड़ ने रविवार को भाजपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता में कहा कि वास्तविक स्थिति यह है कि अरावली क्षेत्र का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा अभ्यारण्य, राष्ट्रीय उद्यान और आरक्षित वनों में आता है, जहां खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके अलावा पूरे अरावली क्षेत्र में से केवल लगभग 2.56 प्रतिशत क्षेत्र ही सीमित, नियंत्रित और कड़े नियमों के तहत खनन के दायरे में आता है। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जब तक इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्टरी रिसर्च एंड एजुकेशन द्वारा अरावली क्षेत्र का विस्तृत वैज्ञानिक मापन और सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार नहीं हो जाती, तब तक कोई नया खनन पट्टा जारी नहीं किया जा सकता। ऐसे में अरावली के नष्ट होने की बात करना अशोक गहलोत का सिर्फ भ्रम फैलाने का प्रयास है।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि, कमेटी की बातचीत में यह स्पष्ट तथ्य सामने आए कि अरावली क्षेत्र में खनन को नियंत्रित करने की औपचारिक परिभाषा केवल राजस्थान के पास थी, जो 2002 की कमेटी रिपोर्ट और रिचर्ड मर्फ (1968) के लैंडफॉर्म क्लासिफिकेशन पर आधारित है। इस परिभाषा के अनुसार स्थानीय ऊँचाई से 100 मीटर या उससे अधिक उठने वाली पहाड़ियों और उनकी ढलानों पर खनन प्रतिबंधित है और राजस्थान 9 जनवरी 2006 से इसका पालन कर रहा है। यानी तब से ऐसी पहाड़ियों में कोई खनन पट्टा नहीं दिया गया। इसके बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा यह कहना कि केंद्र सरकार ने अरावली को 100 मीटर में सीमित कर दिया है, यह तथ्यात्मक रूप से गलत है, क्योंकि यही मानदंड कांग्रेस शासनकाल में तय और लागू हुआ था। गत 19 अगस्त 2003 को जिलेवार नक्शे तैयार करने के निर्देश भी अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री रहते जारी किए गए थे। वर्षों तक इस परिभाषा को लागू रखने के बाद आज इसे गलत बताना न्यायिक फैसले को राजनीतिक रंग देने का प्रयास नहीं तो और क्या है ?

राठौड़ ने कहा कि गत 18 दिसंबर को अशोक गहलोत ने ''अरावली बचाओ'' के नाम पर सोशल मीडिया पर एक अभियान शुरू किया और अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदली लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न तो कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, न कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं न कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और न ही पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदली। यह साफ दर्शाता है कि जिस अभियान का दावा किया जा रहा है, उसमें स्वयं उनकी पार्टी का समर्थन भी उनके साथ नहीं है।

उन्होंने कहा कि जब किसी मुद्दे पर पार्टी के शीर्ष नेता भी उनके साथ खड़े न हों, तो स्पष्ट हो जाता है कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि राजनीतिक दिखावा है। अरावली जैसे संवेदनशील विषय पर प्रतीकात्मक राजनीति नहीं, बल्कि न्यायालय के आदेशों और वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होती है।

राठौड़ ने कहा कि सर्वे ऑफ इंडिया के विश्लेषण से स्पष्ट है कि कमेटी की परिभाषा लागू होने पर अरावली क्षेत्र में खनन नहीं बढ़ेगा बल्कि और अधिक सख्ती आएगी। राजस्थान के राजसमंद में 98.9 प्रतिशत, उदयपुर में 99.89 प्रतिशत, गुजरात के साबरकांठा में 89.4 प्रतिशत और हरियाणा के महेंद्रगढ़ में 75.07 प्रतिशत पहाड़ी क्षेत्र खनन से प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय उद्यान, इको-सैंसिटिव ज़ोन, रिज़र्व एवं प्रोटेक्टेड फ़ॉरेस्ट और वेटलैंड्स में खनन पूरी तरह बंद है। वर्तमान में अरावली क्षेत्र के 37 ज़िलों में कुल भौगोलिक क्षेत्र का केवल 0.19 प्रतिशत (277.89 वर्ग किमी) हिस्सा ही कानूनी खनन पट्टों के अंतर्गत है जिसमें भी लगभग 90 प्रतिशत खनन राजस्थान, नौ प्रतिशत गुजरात और एक प्रतिशत हरियाणा तक सीमित है। इसलिए 90 प्रतिशत अरावली पहाड़ियों के खत्म होने की बात कानूनी और भौगोलिक रूप से पूरी तरीके से असत्य है।

''सियाचिन'' में भारतीय सेना की वीरगाथा मंच पर जीवंत

- **रंगमंच, कला और संस्कृति के रंगों से रूबरू कराकर विदा हुआ जयरंगम**

जयपुर। रंगमंच की रंगत, कला एवं संस्कृति के सौंदर्य से सराबोर करने वाले 14वें जयरंगम (जयपुर रंग महोत्सव) का रविवार को समापन हुआ। फेस्टिवल में कला प्रेमियों ने न केवल बेहतरीन नाटक देखे बल्कि संगीत और संस्कृति से भी रूबरू हुए। अंतिम दिन जयपुर वॉल्ड सिटी में हेरिटेज वॉक के साथ दिन की शुरुआत हुई।

कृष्णायन में श्रीनिवास बिसेट्टी के नाटक 'वेटिंग फॉर नसीर' का मंचन हुआ। वहीं प्रियाक्षी अग्रवाल द्वारा शोध-आधारित प्रस्तुति 'नंगा कपड़ा' महिलाओं की मुखर आवाज बनकर उभरी

रंगायन में मकरंद देशपांडे का नाटक 'सियाचिन' में भारतीय सेना की वीरगाथा को मंच पर जीवंत किया गया। सौरभ नायर द्वारा निर्देशित नाटक 'गोल्डन जुबली' के मनोरंजक मंचन के साथ जयरंगम-2025 का भव्य समापन हुआ। फेस्टिवल डायरेक्टर मन गेरा ने बताया कि जयरंगम में इस वर्ष स्पॉटलाइट के तहत महिला निर्देशकों के नाटकों को मंच प्रदान किया, अगले सीजन में नए नाटकों और बेहतरीन प्रस्तुतियों के साथ जयरंगम समाज के हर वर्ग की सशक्त आवाज बनकर सामने आएगा। ये भारतीय सेना के जवानों का जज्बा है जो न रेगिस्तान में सूरज की आग से जलता है ना ही सियाचिन में बर्फीली हवाओं से जमता है। रंगायन के मंच पर मकरंद देशपांडे के निर्देशन में खेले गए सियाचिन नाटक में बर्फ से ढकी पहाड़ियों पर बनी भारत की सरहद की सुरक्षा कर रहे सैनिकों के बलिदान को बयां किया गया। समुद्र तल से 21 हजार फीट ऊंची सियाचिन की पोस्ट पर चार जवान तैनात है। यह पोस्ट तूफान का शिकार हो जाती है। इनमें से एक जवान की जिंदगी इसकी भेंट चढ़ जाती है। तीनों असहनीय परिस्थितियों में भी पोस्ट पर डटे रहते है और सहायता का इंतजार करते है। हालात बद से बदतर होते जाते है। तीनों जवान अंतिम श्वास तक अपनी पोस्ट पर डटे रहते है क्योंकि फर्ज उन्हें याद दिलाता है कि देश की एक इंच जमीन पर भी दुश्मन की नजर नहीं पड़नी चाहिए। आदित्य रावल, ज़हान कपूर, निकेतन शर्मा, चित्रांश, जतिन सरीन, रोहित मेहरा, श्रुति, वैभव जाधव, अक्षय खैरे, मोहित कुमार सोलंकी और अभिषेक मिश्रा ने भूमिका निभाई।

एलईडी वैन से गांव-गांव पहुंच रहीं सरकार की उपलब्धियां

- **विकास रथ बने ग्रामीणों के आकर्षण का केन्द्र, योजनाओं की जानकारी से हो रहे रूबरू**

जयपुर । वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 2 साल : नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत जयपुर जिले में विकास रथों के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विकास रथ (एलईडी वैन) द्वारा जिले की विभिन्न विधानसभाओं के गांव-गांव तक पहुँचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुँचाई जा रही है।

इसी कड़ी में रविवार को जिले की पांच विधानसभाओं के विभिन्न ग्रामों में एलईडी वैन के माध्यम से विकास रथों ने भ्रमण कर ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं से अवगत कराया। एलईडी स्क्रीन पर ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों के जरिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा बीते दो वर्षों में किए गए विकास कार्यों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, महिला सशक्तिकरण, किसानों के हित में लिए गए निर्णयों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी एवं रोजगार से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया।

उल्लेखनीय है कि जयपुर जिले की सभी 17 विधानसभाओं में विकास रथों के माध्यम से यह प्रचार-प्रसार अभियान संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सरकार की विकास यात्रा को अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुँचाना, पारदर्शिता के साथ उपलब्धियों से अवगत कराना तथा आमजन को सरकार की योजनाओं से सीधे जोड़ना है।

यह जनसंपर्क अभियान न केवल सरकार की जनकल्याणकारी सोच को सशक्त रूप से प्रस्तुत कर रहा है, बल्कि आमजन में विश्वास, सहभागिता एवं जागरूकता को भी सुदृढ कर रहा है।

3 साल से फरार साइबर ठग पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने तीन साल से फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी बिजली बिल अपडेट कराने के नाम पर बुजुर्ग से चार लाख रुपए से अधिक की ठगी कर फरार हो गया था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व सजीव नैन ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने तीन साल से फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी साइबर ठग कुलदीप (28) निवासी आदमपुर जिला हिसार (हरियाणा) को दबोच लिया। जिसे पुलिस टीम ने हरियाणा एसटीएफ के सहयोग से हरियाणा से दबोचा है। थानाधिकारी आशुतोष सिंह ने बताया कि 17 अक्टूबर 2022 को मालवीय नगर निवासी 77 वर्षीय श्याम सुंदर वैष्णव ने रिपोर्ट दी थी कि 13 अक्टूबर को उनके मोबाइल पर कॉल कर खुद को बिजली विभाग का कर्मचारी बताने वाले व्यक्ति ने बिजली बिल अपडेट न होने की बात कही। इसके बाद आरोपी ने एक एप डाउनलोड करवाकर नेट बैंकिंग के जरिए खाते से 4 लाख 55 रुपए से अधिक की राशि निकाल ली। साथ ही पीड़ित के पेटीएम वॉलेट से भी रकम ट्रांसफर कर ली गई। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल (आरपीएस) और सहायक पुलिस आयुक्त विनोद शर्मा (आरपीएस) के निर्देशन में जवाहर सर्किल थानाधिकारी आशुतोष सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर आरोपी लगातार ठिकाने पर दबिश दी।

''अरावली बचाओ-जीवन बचाओ'' सत्याग्रह शुरू

हजारों लोगों ने अंबेडकर सर्किल तक पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व निकाली पदयात्रा

जयपुर (कासं)। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व में रविवार को ''अरावली बचाओ-जीवन बचाओ'' सत्याग्रह की शुरुआत हुई। इस दौरान खाचरियावास हाउस से अंबेडकर सर्किल तक हजारों लोगों ने पदयात्रा निकाली और सचिवालय के पास बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के नीचे 45 मिनट का मौन सत्याग्रह कर आंदोलन का आगाज किया।

''अरावली बचाओ'' के नारों के साथ सैकड़ों लोगों ने रविवार को जयपुर में रैली निकाली।

- **अरावली पर्वतमाला राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, दिल्ली सहित आधे हिंदुस्तान को रेगिस्तान बनने से बचाने, वर्षा, हरियाली, स्वच्छ हवा और पर्यावरण संतुलन रखने में भूमिका निभाती है : प्रताप सिंह**

खाचरियावास ने भाजपा सरकार पर अरावली पर्वतमाला को समाप्त करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसके लिए पूरी तरह केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार जिम्मेदार है। भाजपा नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ झूठ के जनरेटर हैं और सरकार जनता को गुमराह कर रही है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्रालय ने एक कमेटी गठित की, जिसने उद्योगपतियों से सांठगांठ कर गलत रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की। इस रिपोर्ट में 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली नहीं मानने की सिफारिश की गई, जिससे 90 प्रतिशत अरावली पहाड़ियों खत्म होने का खतरा पैदा हो गया। खाचरियावास ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सहमत नहीं हैं और केंद्र सरकार को अपना रुख बदलते हुए अदालत में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए। अन्यथा संघर्ष और टकराव होगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि चाहे कितनी भी बड़ी ताकत लगा दी जाए, अरावली में किसी भी कीमत पर खनन नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, दिल्ली सहित आधे हिंदुस्तान को रेगिस्तान बनने से बचाने, वर्षा, हरियाली, स्वच्छ हवा और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है।

यदि अरावली खत्म हुई तो जीवन संकट में पड़ जाएगा। खाचरियावास ने यह भी कहा कि माइंस एंड मिनरल्स केंद्र सरकार का विषय है और पर्यावरण से जुड़े सभी अधिकार केंद्र के पास हैं। ऐसे में पूर्व की कांग्रेस सरकारों पर जिम्मेदारी डालना सरासर झूठ है। भाजपा सरकार की कमेटी की रिपोर्ट के कारण ही यह स्थिति बनी है और फैसला तुरंत बदला जाना चाहिए।

पदयात्रा के दौरान लोग हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर अरावली बचाओ-जीवन बचाओ के नारे लगाते हुए अंबेडकर सर्किल पहुंचे। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर पदयात्रियों का स्वागत किया। सत्याग्रह में बड़ी संख्या में आमजन और सामाजिक संगठन शामिल हुए।

अलमाइटी इंटरनेशनल एस्ट्रोलॉजी कॉन्क्लेव

जयपुर । सदियों पुराने वैदिक विज्ञानों को आधुनिक युग की चेतना से जोड़ते हुए रविवार को जयपुर में ऐतिहासिक अध्याय जुड़ा, जब अलमाइटी इंटरनेशनल एस्ट्रोलॉजी कॉन्क्लेव (एआईएसी) सीजन-2 का आगाज़ हुआ। ऑलमाइटी इंटरनेशनल द्वारा इंटरनेशनल वास्तु अकादमी के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वासुदेव देवनानी उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय स्तर के कॉन्क्लेव में देशभर से प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, वास्तु विशेषज्ञ, आध्यात्मिक गुरु, ओकल्ट साइंस एक्सपर्ट्स प्रोफेशनल्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ डॉ. रोशनी टाक, स्वामी अमित देव, अनूपम जॉली, पं. अशोक दीक्षित, डॉ. एके दुबे, पद्मेश कानपुर, अजय भाम्बी, स्वामी पद्मनाभ महाराज, पं. ज्योति शर्मा, डॉ. विनोद शर्मा, पं. सतीश शर्मा और डॉ. मेघा शर्मा द्वारा किया गया। एआईएसी की संस्थापक डॉ. मेघा शर्मा और पेट्रोन पं. सतीश शर्मा ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी पद्मनाभदेवाचार्य ने आध्यात्मिक संबोधन से जनसमूह को आत्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत किया। मेडिटेशन मंत्र सत्र में निर्मला सेवानी ने वातावरण को ऊर्जावान बनाया। महिला ज्योतिष ऑरा सत्र का संचालन करते हुए आरजे देवांगना ने आज की महिला के बारे में डॉ. मेघा शर्मा, पं. ज्योति शर्मा, डॉ. रोशनी टाक और पूजा शर्मा से बात की, जिसमे ये निष्कर्ष निकला कि आज की नारी अक्सर ज्योतिषचार्यों से परिवार के बारे में पूछती है।

उदयपुर में "शिल्पग्राम उत्सव-2025" का आगाज़

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े व अतिथियों ने नगाड़ा बजाकर शिल्पग्राम उत्सव का आगाज किया

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़, पंजाब के राज्यपाल कटारिया और अन्य अतिथियों ने नगाड़ा बजाकर शिल्पग्राम उत्सव का आगाज किया।

दस दिवसीय 'शिल्पग्राम उत्सव' में विभिन्न राज्यों से आये लोक कलाकारों ने नृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों को मन मोह लिया।

उदयपुर, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े व अतिथियों ने रविवार को केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के तहत पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर की ओर से हवाला स्थित शिल्पग्राम में आयोजित हो रहे दस दिवसीय 'शिल्पग्राम उत्सव' का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने समारोह में अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर समारोह का तथा नगाड़ा बजाकर शिल्पग्राम उत्सव का आगाज किया।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि लोक है तो आलोक है और लोक कला जीवन का असली आलोक है, क्योंकि इसमें कोई बनावट नहीं, नैसर्गिकता है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों सहित सभी का आव्हान किया कि बच्चों को कला एवं संस्कृति की शिक्षा दें, उन्हें मंच पर मौका दें, ताकि वे लोक संस्कृति को आगे बढ़ा सकें और इसे संरक्षित कर सकें। उन्होंने बचपन में मिले प्रोत्साहन से महान शिल्पकार बनने के संबंध में सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाने वाले राम वी. सुतार का उदाहरण भी दिया। समारोह के अतिविशिष्ट आमंत्रित अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि यह सांस्कृतिक महोत्सव "एक भारत-श्रेष्ठ भारत" का जीवंत प्रतीक है। ऐसे मेले देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को आगे ले जाने में महती भूमिका निभाते हैं। मेले के इस स्वरूप में सभी आयु वर्ग वालों को कुछ न कुछ अवश्य मिलता है।

- **समारोह में डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफटाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार गुजरात के डॉ. निरंजन वल्लभभाई राज्यगुरु और जयपुर के रामनाथ चौधरी को प्रदान किया**

उन्होंने लोक कलाकारों का अपने शहर में स्वागत करते हुए कहा कि इनकी लोक कला को देख संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन दायित्व बोध होता है। उन्होंने पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक फुरकान खान और उनकी टीम की उत्सव के निरंतर सफल आयोजन की तारीफ की। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उत्सव के संबंध में जानकारी दी। साथ ही, अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए।

समारोह में उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन तथा उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा भी समारोह में मौजूद रहे। समारोह में डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफटाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार राजकोट (गुजरात) के डॉ. निरंजन वल्लभभाई राज्यगुरु और जयपुर (राजस्थान) के रामनाथ चौधरी को प्रदान किया। पुरस्कृत जयपुर के रामनाथ चौधरी अल्गोजा नाक से बजाने वाले दुनिया के अकेले कलाकार हैं। वहीं, राजकोट (गुजरात) के डॉ. निरंजन वल्लभभाई राज्यगुरु ने लोक एवं भक्ति संगीत पर फिल्ड वर्क कर 700 घंटे का ध्वनि मुद्रांकन किया है।

समारोह में कोरियोग्राफिक प्रस्तुति में गोवा के देखनी व घोड़े मोदनी, मणिपुर के लैहारोबा, कश्मीर के रौफ, राजस्थान के लाल आंगी व चरी, कर्नाटक के पूजा कुनिता व ढालू कुनिता, महाराष्ट्र के सोंगी मुखौटा, पंजाब के लुड्डी, तथा गुजरात के तलवार रास व राठवा नृत्यों का महासंगम दर्शकों के दिलों को झंकृत किया। दिल्ली के प्रसिद्ध कोरियोग्राफर सुशील शर्मा के निर्देशन में तैयार इस विशेष प्रस्तुती में मंच पर देशभर की संस्कृतियों का अनूठा संगम देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

समारोह में श्रद्धा सतवीडकर के मराठी लावणी लोक नृत्य के साथ नितिन कुमार के भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की खूबसूरत सिंफनी में क्लासिकल और फोक का अनूठा संगम देख दर्शकों ने तालियों से शिल्पग्राम गूंजा दिया। समारोह में डॉ. प्रेम भंडारी के निर्देशन में राजस्थानी लोक गीतों पर आधारित कर्णप्रिय मेडले की प्रस्तुती ने श्रोताओं के दिल के तारों तक सुरों की झंकार पहुंचाने में सफलता पाई।

9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षाएं सात मार्च से

- **सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 19 मार्च तक खत्म होंगे एग्जाम, 1 अप्रैल से सेशन शुरू करने की तैयारी**

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने राज्य स्तरीय समान परीक्षा योजना के तहत 9वीं और 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल घोषित कर दिया है। इस बार प्रदेश के सरकारी और प्राइवेट स्कूल में एक अप्रैल से सेशन शुरू होने जा रहा है। ऐसे में शिक्षा विभाग समय से पहले एग्जाम करवा रहा है। आमतौर पर ये एग्जाम अप्रैल महीने में होते हैं।

शिक्षा विभाग की ओर से जारी टाइम टेबल के मुताबिक 9वीं और 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं 7 मार्च से 19 मार्च तक आयोजित की जाएगी। दरअसल, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 10वीं- 12वीं बोर्ड परीक्षा का टाइम टेबल घोषित करने के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने 9वीं और 11वीं कक्षा का टाइम टेबल भी घोषित कर दिया है। परीक्षा दो पारियों में आयोजित की जाएगी। पहली पारी में सुबह 8.30 से 11.45 बजे और सेकंड पारी में दोपहर 1 बजे से 4.15 बजे तक परीक्षा होगी। 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 12 फरवरी से 11 मार्च तक आयोजित की जाएगी। 9वीं कक्षा के सभी पेपर सेकंड पारी में होंगे, जबकि 11वीं कक्षा की परीक्षा दोनों पारियों में आयोजित की जाएगी। हालांकि 11वीं कक्षा के प्रथम पारी में आयोजित किए जाने वाले पेपर की तिथियां 14 मार्च से 19 मार्च तक निर्धारित की गई है। प्रश्न पत्र वितरण के संबंध में दिशा निर्देश पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर की ओर से अलग से जारी किए जाएंगे। प्रश्न पत्र समय सारणी और सुरक्षा को लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने समस्त संयुक्त निदेशक को निर्देश जारी किए हैं।

श्मशान भूमि से अवैध बजरी दोहन से आक्रोश

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र के पुरानी पड़ासोली गांव के पास खारी नदी में स्थित शमशान भूमि से अवैध बजरी दोहन का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने विरोध किया तो डंपर चालक ने उन्हें कुचलने की कोशिश की, जिससे इलाके में आक्रोश फैल गया। जानकारी के अनुसार सुबह करीब पांच बजे शमशान भूमि पर डंपर में बजरी लोड की जा रही थी। ग्रामीण अंबालाल गुर्जर, चुन्नीलाल कुमावत समेत कई लोग पहुंचे और चालक को समझाया कि यह पवित्र स्थान है, यहां दोहन न करें। बावजूद इसके चालक ने डंपर चलाकर अंबालाल और चुन्नीलाल को कुचलने का प्रयास किया। दोनों ने भागकर जान बचाई। मौके पर ओमप्रकाश प्रभु कुमावत, हीरालाल कुमावत, लक्ष्मण भील, घिशु भील, प्रकाश गुर्जर, दयाराम कुमावत सहित कई ग्रामीण मौजूद थे। अंबालाल गुर्जर ने बताया कि बजरी के साथ मृतकों की हड्डियां भी उठाई जा रही हैं, जो अत्यंत निंदनीय है।

जमीन बेचकर 23 लाख की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने फर्जी इकरारनामें के जरिए दूसरे की जमीन बेचकर 23 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

प्रताप नगर थाना अधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि 5 मई 2023 को शहर के सुभाष नगर थाना अंतर्गत आरके कॉलोनी निवासी मनोज कुमार शर्मा ने प्रताप नगर थाने में एक रिपोर्ट दर्ज करवाई, जिसमें उसने बताया कि आगुचा थाना गुलाबपुरा हाल मालोला रोड के पास गायत्री नगर थाना प्रताप नगर निवासी प्रहलाद नांगला पुत्र कृष्ण गोपाल ने एक जमीन में हिस्सा खुद का बात कर 23 लाख रुपए में बेचने का इकरार नामा किया, सौदे के दौरान प्राथी को विश्वास में लेकर पूरी

गिरफ्तार आरोपी।

राशि नगद प्राप्त कर ली गई, बाद में जब जमीन की जांच करवाई गई तो सामने आया कि जिस भूमि का

- **जांच करवाने पर पता चला कि मौके पर भी किसी अन्य का ही कब्जा था**

इकरारनामा किया गया वह आरोपी प्रहलाद के नाम दर्ज ही नहीं थी बल्कि किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर दर्ज थी। मौके पर भी किसी अन्य का ही कब्जा था। ऐसे में आरोपी में कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर फर्जीवाड़ा करते हुए जमीन का सौदा कर पीड़ित मनोज कुमार से 23 लाख रुपए की धोखाधड़ी की और राशि को हड़प गया। मामले में पुलिस ने गहनता से अनुसंधान करने के बाद आरोपी प्रहलाद को गिरफ्तार कर लिया।

अमृतमयी गौ भारती ग्रंथ का लोकार्पण

जयपुर। गौ-संस्कृति, सनातन मूल्यों और भारतीय जीवन-दृष्टि को समर्पित अमृतमयी गौ भारती ग्रंथ का लोकार्पण तथा श्री हस्तीमल परिवार स्मृति ईश्वर सृष्टि सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जगद्गुरु निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्याम शरण देवाचार्य श्रीजी महाराज का आशीर्वचन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय गौ सेवा प्रमुख अजीत महापात्र हुए। मुख्य अतिथि के रुप में गौ पालन, देवस्थान एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत शामिल हुए। अध्यक्षता नंदिनी गौ सेवा संवर्धन एवं अनुसंधान संस्थान के संरक्षक शिव शंकर लातूरे किया। ईश्वर सृष्टि संस्था के अध्यक्ष कमलेश पारीक कमल, आयोजन समिति अध्यक्ष प्रदीप शेखावत, संयोजक पुष्कर उपाध्याय, भगवती प्रसाद चौधरी, गौरव मोदी एवं ओमप्रकाश बोहरा उपस्थित रहे।

सेवा, समर्पण और मानवता का पर्याय है अभियंता : वासुदेव देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि दिल्ली जैसी पर्यावरण की परिस्थितियों अन्य शहरों में न बने इसके लिए इंजीनियर्स को समय रहते प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि अभियंता सेवा, समर्पण और मानवता का पर्याय होते है। श्री देवनानी ने कहा कि इंजीनियर को 50 वर्ष आगे की योजना बनाकर कार्य करना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रविवार को जयपुर में टोंक रोड स्थित एक होटल में जैन इंजीनियर समिति के 18वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। समारोह में स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कारगिल युद्ध में साहसिक भूमिका निभाने वाले ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी का शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। स्पीकर देवनानी ने समिति द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया। देवनानी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए

जैन इंजीनियर समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी का शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया।

प्रत्येक व्यक्ति को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए सभी अभियंताओं को पहल करनी चाहिए ताकि पर्यावरण प्रदूषण की समस्याओं का समाधान निकाला जा सके। देवनानी ने कहा कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट बढ़ाना होगा। हमें एक घर में एक ही वहां रखना जैसे प्रावधानों पर विचार करना होगा। पब्लिक ट्रांसपोर्ट और पब्लिक पार्किंग के लिए प्रत्येक व्यक्ति और समाज को पहल करनी होगी। वाहन चालको की नियमावली को भी कठोरता से पालना करानी होगी। देवनानी ने कहा कि नागरिक स्वास्थ्य को बना कर ही हम प्रगति कर सकते हैं। स्वागत भाषण पी.सी.छाबड़ा ने किया। भाजपा नेता एवं जयपुर ग्रेटर नगर निगम के निवर्तमान उपमहापौर पुनीत कर्णावत ने भी समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर देश भर के जैन समाज के अभियंता समारोह में मौजूद थे।

अरावली पर्वत श्रृंखला को बचाने की मांग को लेकर प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज भीलवाड़ा चैप्टर द्वारा हरणी की पहाड़ी पर अरावली पर्वत श्रृंखला से जुड़े हालिया सरकारी निर्णय के विरोध में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के माध्यम से अरावली क्षेत्र में हो रहे निरंतर हस्तक्षेप, खनन और संरक्षण से जुड़े निर्णयों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम एक ज्ञापन भी प्रेषित किया गया। ज्ञापन में राष्ट्रपति से मांग की गई कि अरावली पर्वत श्रृंखला को राष्ट्रीय प्राकृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी जाए। साथ ही हालिया निर्णयों एवं नीतियों पर पर्यावरणीय, ऐतिहासिक और विरासत संरक्षण के दृष्टिकोण से पुनर्विचार किया जाए। इंटेक ने अरावली क्षेत्र में खनन गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण, अवैध खनन पर पूर्ण प्रतिबंध और दीर्घकालीन संरक्षण नीति लागू करने की भी मांग की। जाजू ने कहा कि यदि समय रहते अरावली का संरक्षण नहीं किया गया, तो इसका सीधा असर जल संकट, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता पर पड़ेगा। इंटेक ने आमजन से भी अरावली संरक्षण के लिए जागरूक होने और इस जनआंदोलन से जुड़ने की अपील की।

इंटेक भीलवाड़ा चैप्टर के कन्वीनर बाबूलाल जाजू ने बताया कि अरावली पर्वत श्रृंखला न केवल राजस्थान बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए जीवनरेखा के समान है। यह पर्वत श्रृंखला जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, जैव विविधता एवं सांस्कृतिक विरासत की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालिया निर्णयों से अरावली का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है, जिसका दूरगामी दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। प्रदर्शन के दौरान इंटेक सदस्यों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर लालच हटाओ, अरावली बचाओ, अरावली फटी तो जीवन की डोर कटी, अरावली है राजस्थान की ढाल, इसे बचाना है हर हाल तथा अरावली बचेगी तो जीवन बचेगा जैसे नारे लगाकर सरकार और प्रशासन का ध्यान अरावली संरक्षण की ओर आकृष्ट किया। इस अवसर पर सीए दिलीप गोयल, अब्बास अली बोहरा, गुमान सिंह पीपाड़ा, राजकुमार बूलिया, गोपाल नाराणीवाल, विद्यासागर सुराणा, मुकेश अजमेरा, हरकलाल विश्नोई, बीलेश्वर डाड, ओम सोनी, प्रभात जैन, अनुग्रह लोहिया, बनवारी साहू, तेज सिंह पुरावत, शंकर जाट, कुलदीप सिंह, भगवत सिंह, सत्यप्रकाश, सावित्री तेली एवं परमिंदर सिंह सहित कई पर्यावरण प्रेमी और इंटेक सदस्य उपस्थित रहे।

"मेरी पहल" एन.जी.ओ. में बंधक 18 लोगों का पुनर्वास

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायाधिपति संजीव प्रकाश शर्मा एवं हरिओम शर्मा 'अत्रे', सदस्य सचिव के निर्देशन में 'मेरी पहल' संस्था में 17 दिसंबर 2025 को किए गए रेस्क्यू अभियान में बचाए गए 18 व्यक्तियों के पुनर्वास पर संज्ञान लिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय ने इस प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए रेस्क्यू लोगों को उनके परिजनों से मिलवाया औश्र उनके पुनर्वास के लिए पीड़ित प्रतिकर मीटिंग भी रखी।

पल्लवी शर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि रेस्क्यू अभियान में बचाये गए 18 व्यक्तियों में से 5 महिलाओं को उनके परिजनों से संपर्क कर उनके घर भिजवाया गया, जबकि 2 महिलाएं मानसिक विमंदित होने से उनको विमंदित गृह में पुनर्वासित करवाया है। एक अन्य महिला की आयु 65 वर्ष होने से उन्हें वृद्धाश्रम में पुनर्वासित करवाया है तथा 3 महिलाओं को स्वयं सेवी संस्था शक्ति स्तंभ में पुनर्वासित कर उनके परिजनों को ढूंढने के प्रयास जारी है। इसी प्रकार 6 पुरूषों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर, करौली, महाराजगंज (उत्तर प्रदेश), इलाहाबाद एवं जलाउं के संबंधित डीएलएसए सचिवो से संपर्क स्थापित कर उनके परिवार से मिलवाया गया है तथा 1 पुरूष को मानसिक विमंदित गृह में भिजवाया गया है। सभी महिला-पुरुष तथा उनके परिजन इस कार्यवाही से अत्यंत खुश है तथा सभी ने रालसा का आभार जताया है।

पुनर्वास कार्यवाही के क्रम में अध्यक्ष जस्टिस रीटा तेजपाल ने पीड़ित प्रतिकर मीटिंग भी रखी। पल्लवी शर्मा ने बताया कि मीटिंग में रेस्क्यू किए गए व्यक्तियों से संबंधित 16 प्रार्थना-पत्रों में 4 लाख रु. प्रतिकर दिए जाने के आदेश पारित किए गए हैं। पीड़ित प्रतिकर मीटिंग में शिव कुमार न्यायाधीश एम.ए.सी.टी प्रथम, नवीन किलानिया मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जयपुर महानगर द्वितीय, जिला कलेक्टर प्रतिनिधि बी.पी.चंदेल (सहायक निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग), राजेश कुमार गुप्ता, एडीसीपी वेस्ट, बजरंग सिंह, एडीसीपी नॉर्थ रमेश चंद जादौरिया तथा लोक अभियोजक उपस्थित रहे।

फाईनेंस कम्पनी की लोन राशि गबन करने का आरोपी ब्रांच मैनेजर गिरफ्तार

प्रकरण में एक आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है

बूंदी, (निसं)। पुलिस थाना कोतवाली द्वारा फाईनेन्स कम्पनी की लोन राशि गबन करने वाला आरोपी ब्रांच मैनेजर को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में एक आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि वांछित व फरार अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थानाधिकारी कोतवाली बूंदी रमेशचन्द आर्य के नेतृत्व में कार्यवाही करते हुये फाईनेन्स कम्पनी में उपभोक्ताओं की लोन राशि को धोखाधड़ी कर गबन के मामले में फरार आरोपी आर्यन राठी निवासी साल्हापुर थाना कुड जिला सहानपुर उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार 21 जून 2025 को स्मॉल फाइनेंस देवश्री कॉम्पलेक्स आर्य समाज मन्दिर के सामने बूंदी ने जय बिजेन्द्र कुमार यादव हाल ब्रांच मैनेजर द्वारा न्यायालय सीजेएम बूंदी में पैश इस्तगासा में बताया गया कि प्रार्थी की कम्पनी ई एस ए एफ स्वश्रय मल्टी स्टेट एग्रो कॉपरेटीव सोसायटी लि. एक सहकारी संस्था है। ई एस ए एफ स्वश्रय मल्टी स्टेट एग्रो कॉपरेटीव सोसायटी लि. सदस्यों/ग्राहकों को असुरक्षित ऋण और अन्य वित्तिय सेवाएं प्रदान करने के लिये कार्य करती है। आमतौर पर सोसायटी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों से सदस्यता प्रस्ताव स्वीकार करती है और 10 से 50 सदस्यों वाली छोटी इकाईयां बनाती है, जिन्हें केन्द्र या संगम कहा जाता है। कम्पनी की बूंदी शाखा में मुलजिम आर्यन रीठी शाखा प्रबंधक व मुलजिम सावन मेघवाल सी.एस.ओ. के पद पर कार्यरत थे। मुलजिम आर्यन रिठी द्वारा जून से सितम्बर 2024 के मध्य ई-साईन प्रकिया के माध्यमों से 3,50,000 रूपये का लोन वितरित किया, जिसमें 10 ग्राहकों के नाम पर अनाधिकृत वितरण किया। मुलजिम आर्यन रिठी द्वारा उक्त ग्राहकों से कहा गया कि उनके ऋण आवेदन अस्वीकार हो गये हैं और ग्राहकों को जारी किये गये ए.टी.एम. कार्ड उन्हें गुमराह कर प्राप्त कर लिये ओर उक्त ए.टी.एम. कार्डो से पैसा निकाल लिया। जिससे सोसाइटी की ऑडिट रिपोर्ट 14.11.2024 में 3,18,743 रूपये बकाया हो गये। इसके अलावा जून से सितम्बर 2024 तक मुलजिम आर्यन रिठी ने 10 मामलों में ग्राहकों से ऋण पूर्व समापन राशि के रूप में 91,099 रूपये एकत्रित किये परन्तु इस धन राशि को शाखा में जमा नहीं करवाया और 6 मई 2024 को भी मुलजिम आर्यन रिठी ने ग्राहकों को रसीद जारी किये बिना ही 8 मामलों में ऋण किस्त के रूप में 11,850 रूपये एकत्रित किये और धन राशि भी शाखा में जमा नहीं करवाई। इस प्रकार मुलजिम आर्यन रिठी द्वारा अनुचित लाभ प्राप्त करने हेतु छल करके बेईमानी पूर्वक ग्राहकों से प्राप्त की गई राशि व सोसायटी से ऋण स्वीकृत करवाकर एटीएम से निकाली गई राशि कुल 4,21,692 रूपये का गबन कर लिया है। इस पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया।

प्रकरण में आरोपी आर्यन राठी पुत्र ओमबीर निवासी साल्हापुर थाना कुड जिला सहानपुर उत्तरप्रदेश व सावन पुत्र राजेन्द्र कुमार (23) निवासी तालाब मोहल्ला सरोला कला थाना खानपुर झालावाड दोनों ही घटना के बाद से फरार थे। प्रकरण में आरोपी सावन को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है तथा प्रकरण मे शेष आरोपी आर्यन राठी पुत्र ओमबीर सिंह को तलाश कर गिरफ्तार किया गया। मुलजिम से अनुसंधान जारी है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा

- **संसद को राजनीतिक हंगामे का अखाड़ा बना रहा विपक्ष : शेखावत**
- **जोधपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मीडिया से बात की**

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने एक बार फिर विपक्ष पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष संसद को चर्चा के मंच के बजाय राजनीतिक हंगामे का अखाड़ा बनाने का प्रयास करता रहा है। कागज फाड़ना, नारेबाजी करना और सदन की कार्यवाही को बाधित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। रविवार सुबह अपने गृहनगर जोधपुर पहुंचे केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि जहां तक कुछ विषयों पर हो रहे विरोध की बात है तो मुझे लगता है कि आज देश में कहीं न कहीं विरोध को एक आदत बना लिया गया है। कुछ लोग बिना विषय को समझे, बिना उसके पीछे के उद्देश्य को जाने, केवल विरोध करने के लिए विरोध कर रहे हैं। विशेष रूप से उन सुधारात्मक कदमों का विरोध किया जा रहा है, जो लोकतंत्र की रक्षा और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं। शेखावत ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा संविधान के तहत जो दायित्व निभाए जा रहे हैं, उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। इसके लिए आवश्यक निर्णय लेना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है। दुर्भाग्य से कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं, जबकि उन्हें स्वयं यह स्पष्ट नहीं है कि वे विरोध क्यों कर रहे हैं? कुछ स्थानों पर ऐसे तत्व भी हो सकते हैं, जिन्हें अवैध या अनुचित रूप से मतदाता सूची में शामिल नामों से राजनीतिक लाभ मिलता रहा हो और वही लोग अब इन सुधारों का विरोध कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह भी एक विडंबना है कि जो लोग कुछ समय पहले स्वयं इन सुधारों की मांग कर रहे थे, वही आज भ्रमित मन:स्थिति में उनका विरोध कर रहे हैं। यह एक प्रकार से भ्रमग्रस्त मानसिकता का संकट है। सरकार और संवैधानिक संस्थाएं अपना कार्य पूरी प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी के साथ कर रही हैं और आगे भी करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि संसद में जनता अपने प्रतिनिधियों को सेवा और विमर्श के लिए भेजती है।

शेखावत ने कहा कि संसद वह स्थान है, जहां चर्चा होनी चाहिए, विचार-विमर्श होना चाहिए, सरकार की नीतियों और निर्णयों की समीक्षा होनी चाहिए। यह देखा जाना चाहिए कि योजनाएं धरातल पर कैसे उतरी हैं और उन्हें और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है? हालांकि, यह उनका अधिकार है, लेकिन देश की जनता सब देख रही है। जनता यह भी समझती है कि कौन संवाद और समाधान की राजनीति करना चाहता है और कौन केवल अवरोध और भ्रम की राजनीति? समय आने पर जनता अपने विवेक के अनुसार निर्णय भी करती है।

सेरेंडिपिटी आर्ट्स फाउंडेशन के गोवा में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव 'सेरेंडिपिटी' से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि कला और संस्कृति आधारित कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिला। वहां की कला और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों ने मुझे भीतर तक प्रभावित किया। यह दस दिनों तक चलने वाला कार्यक्रम वास्तव में एक अद्भुत सांस्कृतिक अनुभव है। शेखावत ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक उत्सव यह सिद्ध करते हैं कि कला और संस्कृति केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, पर्यटन और वैश्विक संवाद का भी सशक्त माध्यम हैं। भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश के लिए इस प्रकार के आयोजन हमारी सॉफ्ट पावर को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

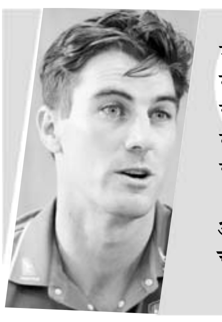

मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं लेकिन बाकी बची सीरीज के लिए हमें इंतजार करके देखना होगा। हमें पता था कि ऐशेज जीतना है तो हमने काफी आक्रामक तैयारी की थी और हमें लगता है कि यह इसके लायक था। - पैट कमिंस

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, अपनी चोट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बेन स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि वह कप्तानी के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, लेकिन यह भी स्वीकार करते है कि पहले तीन टेस्ट मैचों में उनकी टीम ऑस्ट्रेलिया के 'जबरदस्त हमले' को झेल नहीं सकी और रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए मात्र 11 दिनों में ही ऐशेज सीरीज गंवा बैठी। 2022 से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान रहे स्टोक्स ने इस दौरे से पहले दो साल का नया केन्द्रीय अनुबंध साइन किया था, जो 2027 की गर्मियों के अंत तक चलेगा। कप्तान बने रहने की उनकी इच्छा 'बिल्कुल' बरकरार है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर दौरे की शुरुआत से अब तक कुछ भी नहीं बदला है।

क्या आप जानते हैं ?... एमएस धोनी की तुलना में विराट कोहली को बेहतर बल्लेबाज माना जाता है क्योंकि उनका बल्लेबाजी औसत अधिक है और उन्होंने सभी प्रारूपों में अधिक शतक बनाए हैं।

शायद मैं एशेज की सही तैयारी नहीं करा पाया : मक्कलम

एडिलेड, 21 दिसंबर। इंग्लैंड की टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मक्कलम का मानना है कि वह ऐशेज की सही तैयारी नहीं करा पाये। जिसके कारण मात्र 11 दिनों के खेल में ही सीरीज गंवानी पड़ी, जबकि अभी दो टेस्ट शेष हैं। एडिलेड में 82 रन की जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया के 3-0 की अजेय बढ़त लेने के बाद टीएनटी स्पोर्ट्स से बातचीत में मक्कलम ने माना कि उनके प्रतिद्वंद्वियों ने बल्ले और गेंद दोनों से हमें पछाड़ दिया और क्षेत्ररक्षण में भी हमें पछाड़ा। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के प्रदर्शन में सटीकता, जबरदस्त और निरंतरता देखी गई। इंग्लैंड का एकमात्र अभ्यास मैच पर्थ के लाइलैक हिल में एक धीमी पिच पर खेला गया, जिसने ऑप्टस स्टेडियम की तेज और उछाल भरी पिच पर मिलने वाली परिस्थितियों का बहुत कम अंदाजा दिया। इसके बाद प्रधानमंत्री इलेवन के खिलाफ कैनबरा में होने वाले गुलाबी गेंद अभ्यास मैच को छोड़ने का फैसला करते हुए, इंग्लैंड ने पांच दिनों के कड़े प्रशिक्षण के बाद गाबा में दूसरा टेस्ट खेला। इसके बाद मक्कलम ने यह दावा किया कि इंग्लैंड ने हद से अधिक तैयारी कर ली थी और सीरीज की दूसरी आठ विकेट की हार झेलनी पड़ी। मक्कलम ने कहा, "मुझे पता है कि इस पर सवाल उठेंगे। जब आप 3-0 से हार जाते हैं, तो आपको हाथ उठाकर कहना पड़ता है कि शायद मैंने तैयारी ठीक नहीं की।आखिरकार, यह आपकी जिम्मेदारी होती है कि आप अपनी टीम को कैसे तैयार करते हैं और किस तरह से उन्हें मैच के लिए तैयार करते हैं। मुझे अपने तरीको और हमें अपनी तैयारी के तरीको पर भरोसा था। केवल पहले टेस्ट से पहले ही नहीं, बल्कि टेस्टों के बीच भी। अब पीछे मुड़कर देखता हूं तो सोचता हूं, क्या हमें पहले टेस्ट से पहले अधिक तैयारी की जरूरत थी।"

सचित गुप्ता बने 39 प्लस कैटेगरी में चैम्पियन

जयपुर, 21 दिसंबर। आज वोकर अकैडमी, वैशाली नगर, जयपुर में संपन्न हुई जयपुर जिला मास्टर टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जयपुर के सचित गुप्ता ने डॉक्टर सीपी सुथार को 3-0 से परास्त कर 39 वर्ग का खिताब जीता। वही संपन्न हुई महिला वर्ग की प्रतियोगिता में डॉक्टर रुचि गुप्ता ने अनीता मोदी को 3-0 से परास्त कर खिताब पर कब्जा किया। पुरुष 49 प्लस कैटेगरी में हरीश माथुर ने प्रतीक शर्मा को 3-0 से परास्त कर खिताब जीता। पुरुष 29 प्लस वर्ग में मनमोहन बढ़ाया में भुवनेश यादव को तीन एक से परास्त किया। पुरुष 69 कैटेगरी में एस एस वर्मा ने के एल चावरिया को 3-0 से परास्त कर खिताब जीता । पुरुष वर्ग 69 में एसके माहेश्वरी ने राजीव अग्रवाल को एक आकर्षक मुकाबले में परास्त किया ।पुरुष युगल 49 प्लस मुकाबले में आशीष थारवान व सचित गुप्ता ने हरीश माथुर व मनमोहन रावत को हराया। राजस्थान पैटर्न टेबल टेनिस कमेटी के तत्वाधान में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में एक अनूठी पहल की गई जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर पदक लाने वाले प्रतियोगियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें शरण्या गोयल ने पैरा नेशनल चैंपियनशिप वडोदरा में रजत पदक जीता था वही रांची में हुई नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जयपुर के आरव साहनी वह आरव आचार्य ने क्रमश: वर्ग 11 वह वर्ग 15 में कांस्य पदक जीत कर जयपुर व राजस्थान की शोभा बढ़ाई ।इस अवसर पर वेटरन कमेटी के अध्यक्ष अजय ओझा व पूर्व जयपुर जिला टेबल टेनिस के अध्यक्ष ललित सिंह भी मौजूद रहे।

विजय हजारे ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान टीम घोषित, मानव कप्तान व अनिकेत उपकप्तान

जयपुर, 21 दिसंबर। बीसीसीआई की आगामी सीनियर विजय हजारे एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान टीम का चयन आरसीए सीनियर चयन कमेटी ने आज आरसीएअकादमी पर आयोजित मीटिंग में किया। घोषित राजस्थान सीनियर टीम :- मानव सुथार (कप्तान), मनेन्द्रसिंह, राम मोहन चौहान, सुमित गोदारा, महिपाल लोमरोर, दीपक हुड्डा, करण लाम्बा, मुकुल चौधरी, अजय सिंह कुकना, खलील अहमद, अनिकेत चौधरी (उपकप्तान), अशोक शर्मा, आदित्य सिंह राठौर, समर्पित जोशी, आकाश सिंह, राहुल चाहर।

डेवोन कॉन्वे ने दोहरा शतक व टेस्ट में शतक लगाकर इतिहास रचा

माउंट माउंगानुई, 21 दिसंबर। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और फिर शतक बनाकर अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया है। इसी के साथ वह यह कारनामा करने वाले पहले कीवी बल्लेबाज बन गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार कॉनवे ने वेस्टइंडीज के खिलाफ ओवल में तीसरे और अंतिम टेस्ट के दूसरे आखिरी दिन चाय से ठीक पहले शतक बनाकर यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एंडरसन फिलिप की गेंद पर कट शॉट लगाकर अपनी दूसरी पारी का शतक पूरा किया। यह उपलब्धि उनकी पहली पारी में शानदार 227 रन बनाने के बाद मिली, जिसने मैच में न्यूजीलैंड की मजबूत स्थिति की नींव रखी।

ऐसा करके 34 वर्षीय कॉन्वे एक ही मैच में दोहरा शतक और शतक बनाने वाले पहले न्यूजीलैंड और टेस्ट इतिहास में केवल 10वें खिलाड़ी बन गए। कॉन्वे ब्रायन लारा, ग्राहम गूच, कुमार संगकारा और हाल ही में मार्नस लाबुशेन और शुभमन गिल जैसे दिग्गजों की एलीट सूची में शामिल हो गए।

शानदार फॉर्म में चले रहे कॉन्वे का यह सातवां टेस्ट शतक है। चौथे दिन चाय के समय, न्यूजीलैंड अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 192 रन पर था और मैच में अभी चार सत्र बाकी रहते हुए 347 रनों की मजबूत बढ़त बनाए हुए था। न्यूजीलैंड वर्तमान में तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है, उसने क्राइस्टचर्च में पहला टेस्ट ड्रॉ खेला था और उसके बाद वेलिंगटन में नौ विकेट से शानदार जीत हासिल की थी।

इंडिया विमेंस ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया

पहली टी-20 में जेमिमा रोड्रिग्ज की फिफ्टी

विशाखापत्तनम 21 दिसंबर इंडिया विमेंस ने टी-20 सीरीज के पहले मैच में श्रीलंका को 8 विकेट से हरा दिया। विशाखापट्टनम में रविवार को भारत ने बॉलिंग चुनी। श्रीलंका विमेंस 6 विकेट खोकर 121 रन ही बना सकी। इंडिया विमेंस ने 15वें ओवर में महज 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। जेमिमा रोड्रिग्ज ने फिफ्टी लगाई, वहीं स्मृति मंधाना ने 25 रन बनाए।

विष्मी गुणरत्ने (39), हर्षिता समाराविक्रमा (21) और हसिनी परेरा (20) की जूझारु पारियों के दम पर श्रीलंका की महिला टीम ने रविवार को पहले टी-20 मुकाबले में भारत को जीत के लिए 122 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां टॉस

जीतकर भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में कप्तान चामरी अटापट्टू (15) का विकेट गंवा दिया। उन्हें क्रांति गौड ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हसिनी परेरा ने विष्मी गुणरत्ने के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने हसिनी परेरा (20) आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। श्रीलंका का तीसरा विकेट हर्षिता समाराविक्रमा (21) के रूप में गिरा। उन्हें श्री चारणी ने बोल्ड आउट किया। नीलाक्षी डिसिल्वा (आठ) और कविशा दिलहारी (छह) रनआउट हुई। श्रीलंका की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 121 रनों का स्कोर खड़ा किया। भारत के लिए क्रांति गौड, दीप्ति शर्मा और श्रीचारणी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

हर्षिता समरविक्रमा ने फिर टीम को 100 रन के करीब पहुंचाया, लेकिन वे 21 रन बनाकर आउट हो गईं। दीप्ति शर्मा और श्रीचरणी ने भी 1-1 विकेट लिया। विष्मी 39 रन बनाकर रन आउट हो गईं। उनके बाद निलाक्षी डी सिल्वा और कविषा दिलहारी भी रन आउट हो गईं।

ऑस्ट्रेलिया ने की इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर एशेज 3-0 से अपने नाम

एडिलेड, 21 दिसंबर। मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, नाथन लियोन (तीन-तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन इंग्लैंड को दूसरी पारी में 352 के स्कोर पर समेट कर 82 रनों से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की निर्णायक बढ़त बना ली। आज यहां इंग्लैंड ने कल के छह विकेट पर 206 रनों क स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड की दूसरी पारी में 352 रनों पर सिमट गई। हालांकि जेमी स्मिथ (60) और विल जैक्स (47) ने जोरदार संघर्ष किया। सुबह के सत्र में मिचेल स्टार्क ने जेमी स्मिथ को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को सातवीं सफलता दिलाई। इसके बाद 93वें ओवर में स्टार्क ने विल जैक्स को भी अपना शिकार बना लिया। जोफ्रा आर्चर तीन रन बनाकर आउट हुये। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों ने तनावपूर्ण आखिरी सेशन में धैर्य बनाए रखा, जिसमें मिशेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड ने निर्णायक वार किए। 103 वें ओवर की पहली गेंद पर स्कॉट बोलैंड ने जॉश टंग (एक) को आउटकर मेहमान टीम की दूसरी पारी का 352 के स्कोर पर अंत कर दिया। उन्होंने दो टेस्ट मैच बाकी रहते ही सीरीज अपने नाम कर ली। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दोनों पारियों में 371 और 349 रन बनाए थे, जिससे इंग्लैंड के सामने एक मुश्किल चुनौती खड़ी हो गई थी। विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी को स्टंप के पीछे और बल्ले से अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, उन्होंने मैच के अहम चरणों में स्थिरता प्रदान की। स्टार्क आखिरी पारी में सबसे बेहतरीन गेंदबाज रहे, उन्होंने अहम मौकों पर विकेट लेकर इंग्लैंड की लय को रोका, जबकि कप्तान पैट कमिंस ने भी महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाईं। इस जीत के साथ, ऑस्ट्रेलिया ने पूरी सीरीज में अपना दबदबा दिखाया, सभी तीनों टेस्ट मैच आसानी से जीतकर एशेज अपनी अजेय बढ़त बना ली है। अब 26 दिसंबर से शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट पर है, जहां इंग्लैंड अपनी इज्जत बचाने का प्रयास करेगा और ऑस्ट्रेलिया अपने दबदबे को और बढ़ाना चाहेगा।

बीसीसीआई ने भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम को किया सम्मानित

मुंबई, 21 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्व कप जीतने वाली भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम को 19 दिसंबर को मुख्यालय में गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए सम्मानित किया। बीसीसीआई की ओर से रविवार को बताया गया कि भारतीय ब्लाइंड महिला जो पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। बीसीसीआई के मानद कोषाध्यक्ष रघुराम भट्ट ने उन्हें सम्मानित किया, खिलाड़ियों से बातचीत की और बोर्ड की ओर से हार्दिक बधाई दी। यह दौरा भारत में ब्लाइंड महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, जो राष्ट्रीय स्तर पर इस खेल के लिए बढ़ती पहचान और समर्थन को रेखांकित करता है। भारत ने नेपाल के खिलाफ फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। भारतीय टीम ने 115 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 12.1 ओवर में सात विकेट से जीत दर्ज की।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पांच टीमों वाली फ्रेंचाइजी-आधारित टी-20 लीग की घोषणा की

दुबई, 21 दिसंबर। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने एक नई फ्रेंचाइजी-आधारित टी-20 लीग, अफगानिस्तान प्रीमियर लीग शुरु करने की घोषणा करते हुए कहा कि इसके पहले संस्करण में पांच टीमें होंगी और इसे अगले साल अक्टूबर 2026 के आसपास संयुक्त अरबअमीरात (यूएई) में शुरु किया जायेगा। एसीबी ने 2018 की शुरुआत में भी एक अफगानिस्तान प्रीमियर लीग शुरू की थी और उस टूर्नामेंट का मात्र एक सीजन उसी साल बाद में पांच टीमों के बीच खेला गया था। क्रिस गेल, ब्रेंडन मैकुलम, शाहिद अफरीदी और अन्य जैसे बड़े नाम उस सीजन में खेले थे, लेकिन पेमेंट की समस्याओं और लीग की ईमानदारी को लेकर चिंताएं सामने आने के बाद इसे बंद कर दिया गया था।

पाकिस्तान की अंडर-19 टीम ने भारत को 191 रनों से हराया

दुबई, 21 दिसंबर। समीर मिन्हास (172) और अहमद हुसैन (56) की शानदार पारियों के बाद अली रजा (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने अंडर-19 एशिया कप के फाइनल मुकाबले में रविवार को भारत को 191 रनों से हरा दिया। 348 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम शुरुआती विकेट गिराने के बाद दबाव को झेल नहीं पाई और ओवरों में रन पर सिमट गई।

बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम का पहला विकेट 32 के स्कोर कप्तान आयुष म्हात्र (दो) के रूप में गिरा। इसके बाद 49 के स्कोर पर भारत दो महत्वपूर्ण विकेट और गंवा दिये। ऐरन जॉर्ज (16) और वैभव सूर्यवंशी 10 गेंदों में (26) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारतीय बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और तू चल मैं आया की तर्ज पर विकेट गंवाते रहे। हालांकि भारत की आखिरी जोड़ी ने चौके, छक्के लगाते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया। इस दौरान दीपेश देवेंद्रन ने छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (36) रनों की पारी खेली। उन्हें अली रजा ने आउट किया। भारतीय टीम 26.2 ओवर में 156 रन ही बना सकी और 191 रनों से खिताबी मुकाबला हार गई। किशन सिंह तीन रन बनाकर नाबाद रहे।

पाकिस्तान के लिए अली रजा ने चार विकेट लिये। मोहम्मद सय्याम, हुजैफा एहसान और अब्दुल सुभान को दो-दो विकेट मिले। इससे पहले आज यहां भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 31 रन के स्कोर पर हम्जा जहूर (18) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये उस्मान खान ने समीर मिन्हास के साथ दूसरे विकेट के लिए 92रन जोड़े।

17वें ओवर में खिलन पटेल ने उस्मान खान (35) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। चौथे बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरे अहमद हुसैन ने समीर मिन्हास के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रन जोड़कर बड़े लक्ष्य की नींव रखी। 38वें ओवर में भारतीय गेंदबाजों ने वापसी की और खिलन पटेल ने अहमद हुसैन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अहमद हुसैन ने 72 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 56 रनों की पारी खेली।

परिवहन निरीक्षकों का मैत्री क्रिकेट मैच आयोजित

जयपुर, 21 दिसंबर। राजस्थान परिवहन निरीक्षक संघ ने परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान के निर्देशन में आज परिवहन निरीक्षकों का मैत्री क्रिकेट मैच आयोजित किया गया, जिसमें आरटीओ जयपुर प्रथम एवं आरटीओ जयपुर द्वितीय की निरीक्षक टीमों ने भाग लिया। यह आयोजन विभागीय सौहार्द, स्वास्थ्य संवर्धन एवं सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान-2025 के उद्देश्य से आयोजित किया गया। मैचों की शुरुआत प्रातः 11:00 बजे हुई। संघ के अध्यक्ष राजेश चौधरी ने बताया कि यह आयोजन सचिव परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, शुचि त्यागी, परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा के मार्गदर्शन एवं विभागीय अधिकारियों के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य सड़कसुरक्षा जन-जागरूकता अभियान-2025 को खेल के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत अमर जवान ज्योति पर सड़क सुरक्षा के प्रति संकल्प भी व्यक्त किया गया। चौधरी ने बताया कि आज कुल दो टी-10 मुकाबले खेले गए। प्रथम मुकाबले में आरटीओ जयपुर द्वितीय की टीम के कप्तान दिनेश सिंह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी

करते हुए 90 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए आरटीओ जयपुर प्रथम की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शेष 2 बॉल रहते हुए लक्ष्य प्राप्त कर मैच जीत लिया। इसमें आरटीओ जयपुर प्रथम राजेंद्र सिंह शेखावत ने बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 20 रन बनाये । द्वितीय मुकाबले में आरटीओ जयपुर प्रथम की टीम के कप्तान टीकम मदन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 68 रन बनाए। जवाब में आरटीओ जयपुर द्वितीय की टीम ने अनुशासित खेल का परिचय देते हुए शेष 2 बॉल रहते हुए चोका मारकर 72 रन बनाकर मुकाबला 4 विकेट से अपने नाम किया। खराब मौसम के कारण तीसरा मुकाबला आयोजित नहीं हो सका, जिससे टूर्नामेंट विजेता का निर्णय नहीं हो पाया। आपसी सहमति से यह तय किया गया कि दोनों टीमों के सर्वश्रेष्ठ निरीक्षकों को मिलाकर एक संयुक्त टीम बनाई जाएगी, जो आगामी रविवार, 28 दिसम्बर 2025 को मुख्यालय टीम के साथ मैत्री मैच खेलेगी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आरटीओ जयपुर प्रथम, राजेन्द्र शेखावत उपस्थित रहे। उन्होंने न केवल खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, बल्कि स्वयं भी आरटीओ जयपुर प्रथम की ओर से खेलते हुए प्रथम पारी में 20 रन (नाबाद) बनाए। द्वितीय पारी में 10 रन बनाने के उपरांत उन्होंने अन्य खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करने हेतु खेल से विराम लिया। उनका यह कदम टीम भावना एवं नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। दोनों ही मैच रोमांचक रहे और आख़िरी पलों तक हार जीत की अटकलें लगती रही । संघ के क्रिकेट मैनेजर यशपाल शर्मा ने समस्त प्रबंधन देखते हुए खेल में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया । प्रथम की और से शैलेन्द्र राठौड़ तथा द्वितीय की तरफ़ से अविनाश चौहान तथा अमित शर्मा में उत्कसोर्थ प्रदर्शन किया ।

पीसीबी ने पीएसएल बिड की तिथि आगे बढ़ाई

लाहौर, 21 दिसंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान सुपर लीग के लिए दो नई फ्रेंचाइजी के लिए बिड जमा कराने की तिथि एक बार फिर बढ़ा दिया है। पीसीबी ने बताया कि बोली लगाने की 22 दिसंबर तिथि को बढ़कर अब 24 दिसंबर कर दिया गया है, क्योंकि इस दौरान दो छुट्टियां थीं और इच्छुक पार्टियों ने अतिरिक्त समय मांगा था। नई टीमों के लिए बिड आठ जनवरी को होनी थी जिसे इस विस्तार के कारण एक दिन के लिए टाल दिया गया है। शुरुआती बिड की तिथि 15 दिसंबर तय की गई थी। पहला विस्तार यूरोप, अमेरिका, मध्य पूर्व और अन्य जगहों के निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए किया गया था।

बीसीसीआई एकदिवसीय विजय हजारे ट्रॉफी 24 से जयपुर में

जयपुर, 21 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में आगामी 24 दिसंबर से जयपुर में बीसीसीआई की सीनियर विजय हजारे एक दिवसीय ट्रॉफी (इलीट ग्रुप) खेली जाएगी। जयपुर में खेली जाने वाली विजय हजारे एक दिवसीय (इलीट ठ्ठुप) ट्रॉफी की टीमें : मुंबई, महाराष्ट्र, हिमाचल, सिक्किम, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब, छत्तीसगढ़।

आरसीए अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता (आज विवान प्रधान, नलिन दुलर, नभय अग्रवाल, निमिष मिश्रा, सयैद अली कुरियन, मुकुल कौशिक का शानदार प्रदर्शन) मध्य क्षेत्र अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 14 एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के आज खेले गए मैचों का परिणाम :- अजमेर - सीकर (अजमेर जीती), सीकर पारी 201 / 9, टीम के लिए मुकुल कौशिक 72, नलिन दुलर 63 रन। अजमेर के गेंदबाज विवान प्रधान 23 / 5 विकेट। अजमेर पारी 203 / 7, टीम के लिए सयैद अली कुरियन 40 / 3 व विराज 46 रन। सीकर के गेंदबाज लवमीत 19 / 3 व मुकुल कौशिक 42 / 2 विकेट। सवाई माधोपुर - बारां पारी 239 / 8, टीम के लिए निमिष मिश्रा 74, नभय अग्रवाल 68 . यश 28 व अक्षय 28 रन। बारां के गेंदबाज प्रतीक 40 / 3, राजवीर 42 / 2 विकेट। बारां पारी 227 / 7, टीम के लिए भव्य 37, जय सिंह 36, तरश 35 व अर्शलान 39 रन। सवाई माधोपुर के गेंदबाज रूद्र प्रताप 31/2 विकेट।

संतोष ट्रॉफी : महाराष्ट्र को 3-0 हरा राजस्थान का फाइनल राउंड में प्रवेश

जयपुर, 21 दिसंबर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के निर्देशन में राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में विद्याधर नगर स्टेडियम में जारी 79 संतोष ट्रॉफी सीनियर नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 - 26 के अंतिम दिन दो निर्णायक मुकाबले खेले गए सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि सुबह खेले गए पहले मुकाबले में गुजरात ने दादर नगर हवेली दमन दीव को एकतरफा मुकाबले में 5 - 0 से हराया, प्लेयर ऑफ द मैच गुजरात के जर्सी नंबर 10 मोइनुद्दीन को दिया गया।

दूसरा मुकाबला मेजबान राजस्थान और महाराष्ट्र के मध्य खेला गया, मैच से पूर्व मुख्य अतिथि एम आर एस ग्रुप के सीएमडी और समाजसेवी मेघराज सिंह रॉयल, पूर्णिमा ग्रुप के डायरेक्टर राहुल सिंघी, राजस्थान यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड सेक्रेटरी डॉ. प्रमोद सिंह, ब्रिगेडियर जितेंद्र सिंह शेखावत ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभकामनाएं दी, राजस्थान की अगले राऊंड में जगह बनाने के लिए महाराष्ट्र से 3 गोल से मुकाबला जीतना आवश्यक था, शुरुआत से ही राजस्थान ने महाराष्ट्र पर दबाव बनाए रखा और एक बाद एक हमले जारी रखे जिसकी बदौलत पहले हाफ में आदित्य चाहर (25 मिनट) और मुकेश कुमार (34 मिनट) के गोल से राजस्थान ने 2 - 0 की बढ़त हासिल की, दूसरे हाफ में महाराष्ट्र ने शानदार डिफेंस किया और राजस्थान को अंतिम समय तक गोल नहीं करने दिया मैच के अतिरिक्त समय (90 5 मिनट) में राजस्थान के मिलन पूनिया के शानदार गोल से 3 - 0 की बढ़त हासिल की जो मुख्य निर्णायक की अंतिम विषल तक कायम रही जिसके दम पर राजस्थान लगातार दूसरी आर फाइनल राउंड में जगह बनाने में कामयाब रही।

मैच के बाद समापन समारोह में राजस्थान फुटबॉल संघ द्वारा चारों टीम के खिलाड़ियों, टीम ऑफिशियल, मैच ऑफिशियल, मैच कमिश्नर, रेफरी एस्सेसर और सभी अतिथियों को दुपट्टा और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। समापन समारोह में राजस्थान फुटबॉल संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत, संयुक्त सचिव शकील अहमद, मानवेंद्र सिंह राघव, रफीक अहमद सिंधी, कृष्ण अवतार शर्मा,सीकर सचिव सुरेन्द्र मील, जालोर सचिव हरीराम डारा, टेक्निकल डायरेक्टर सतीश जांगिड़, रॉयल एफसी के दिलीप सिंह चुंडावत, पूर्व खिलाड़ी जसवंत सिन्हा, अब्दुल जब्बार सहित फुटबॉल से जुड़ी कई हस्तियां मौजूद रही।

राव राजा हनुत सिंह कप (12 गोल) का फाइनल

ऑप्टिमस अचीवर्स ने 8-7 के स्कोर से जीता राव राजा हनुत सिंह कप

जयपुर, 21 दिसंबर। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर रविवार को राव राजा हनुत सिंह कप (12 गोल) का रोमांचक फाइनल मैच खेला गया। यह मुकाबला टीम जयपुर और टीम ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच हुआ। इस दिलचस्प मुकाबले में ऑप्टिमस अचीवर्स ने टीम जयपुर को 8-7 के स्कोर से हराकर कप अपने नाम कर लिया। इस अवसर पर बर्गग्रुएन इंस्टीट्यूट के चेयरमैन और को-फाउंडर, निकोलस बर्गग्रुएन मुख्य अतिथि रहे और विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। विजेता टीम ऑप्टिमस अचीवर्स की ओर से डेनियल ओटामेंडी ने 4 गोल किए। शमशीर अली और मैनुअल प्राडो ने 2-2 गोल हासिल किए। टीम से साविर मेहराज गोदारा भी खेले। वहीं, टीम जयपुर से लांस वाटसन ने शानदार 5 गोल किए। हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और हुर्र अली ने 1-1 गोल किया। टीम में डीनो धनखड़ भी शामिल रहे।

लखपति दीदियां अग्रणी राजस्थान की उभरती हुई तस्वीर हैं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने ओटीएस में आयोजित लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया

जयपुर, 21 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लखपति दीदियां हमारे अग्रणी राजस्थान की उभरती हुई तस्वीर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिलाओं को सशक्त, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को लखपति दीदी योजना के माध्यम से पूरा किया जा रहा है तथा अब प्रदेश की लखपति दीदियां मिलेनियर दीदियां बनने की ओर अग्रसर हैं।

शर्मा रविवार को हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजीविका के माध्यम से संघर्ष और सफलता की प्रेरणा बनी बहनों की कहानियां महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई ऊर्जा की प्रतीक हैं।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने लखपति दीदी योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सखियों को टेबलेट देकर सम्मानित किया।

(ओटीएस) में लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजीविका हमारी बहनों के सशक्तिकरण, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की अहम कड़ी के साथ ही गांवों में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बन रहा है। हमारी सरकार का संकल्प है कि 'हर हाथ को हुनर, हर घर को रोजगार' मिले और राजीविका इस संकल्प को पूरा करने का सबसे सशक्त माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने संघर्ष और सफलता की प्रेरणा बनी बहनों का उल्लेख करते हुए कहा कि जयपुर के फागी की सुशीला देवी ने पारंपरिक ब्लू पॉटरी कला को अपनाकर अपने सीमित संसाधनों में भी जीवन को नई दिशा दी।

स्वयं सहायता समूह के सहयोग से उत्पादन बढ़ाने के बाद उन्होंने अपने उत्पादों को आदिवासी मेलों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों तक पहुंचाया। इसी तरह सरिता कंवर ने राजीविका के माध्यम से सिलाई व्यवसाय शुरू किया और धीरे-धीरे घरेलू उद्योग स्थापित किया।

करौली जिले की अरुणा शर्मा ने प्रशिक्षण प्राप्त कर बेकरी व्यवसाय शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने नए उत्पाद विकसित किए और अब उनके उत्पाद दूसरे जिलों और राज्य के बाहर लगने वाले मेलों में भी बिकते हैं। उन्होंने कहा कि ये कहानियां महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा की प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में 19 लाख 45 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 12 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई हैं। हमने लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू की। इसके तहत डेढ़ लाख रुपये की राशि दी जा रही है। इसी तरह छात्राओं को 10 लाख 51 हजार साइकिलें और लगभग 40 हजार स्कूटियां देकर बालिका शिक्षा को गति दी है।

शर्मा ने कार्यक्रम में लखपति दीदी योजना में उत्कृष्ट सखियों को टेबलेट वितरित किए। उन्होंने कहा कि तकनीक के साथ कदम मिलाकर बहनें अब डिजिटल दुनिया से भी जुड़ सकेंगी।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि आज महिलाएं केवल घर की चारदीवारी तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि हर क्षेत्र में अपनी निर्णायक भूमिका निभा रही है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

अमेरिका ने वेनेज़ुएला से तेल ले जा रहा टैंकर जब्त किया

नयी दिल्ली, 21 दिसंबर। अमेरिका ने वेनेज़ुएला से हाल ही में रवाना हुए एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया है। यह जानकारी अमेरिकी आंतरिक सुरक्षा विभाग ने दी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह इस महीने दूसरी बार है जब अमेरिका ने अपने तट के पास एक तेल ले जाने वाले जहाज को जब्त किया है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई उस समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि वे वेनेज़ुएला से आने-जाने वाले प्रतिबंधित तेल टैंकरों पर "नाकाबंदी" का आदेश दे रहे हैं। वेनेज़ुएला ने इस नवीनतम जब्ती की निंदा की है और इसे "चोरी और अपहरण" करार दिया है। वेनेज़ुएला पहले भी अमेरिका पर अपने संसाधनों को चुराने का आरोप लगा चुका है। वेनेज़ुएला सरकार के एक बयान में कहा गया, "ये कृत्य बिना सजा के नहीं रहेंगे।" सरकार ने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और "अन्य बहुपक्षीय एजेंसियों तथा दुनिया के देशों" के पास शिकायत दर्ज कराएगी। यह ऑपरेशन अमेरिकी कोस्ट गार्ड के नेतृत्व में किया गया, जो इस महीने की शुरुआत में हुई कार्रवाई जैसा ही था।

दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने पुलिस कांस्टेबल को कुचला

छुट्टी पर आया कांस्टेबल रात को खेत पर बन रहे नए मकान पर सोने के लिए जा रहा था

जयपुर, 21 दिसम्बर। जयपुर ग्रामीण जिले के रायसर थाना इलाके में दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने पुलिस कांस्टेबल को कुचल दिया, कांस्टेबल की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद चालक कार सहित फरार हो गया। पुलिस ने रविवार सुबह निम्स हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

थानाधिकारी हेमराज सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान अजबपुरा गांव निवासी राहुल बुनकर (28) के रूप में हुई है। राहुल उदयपुर जिले में गोगुंदा उपखंड अधिकारी के पीएसओ के रूप में तैनात था और तीन दिन पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था।

- **पुलिस की जाँच में पता लगा कि हादसे में शामिल कार का रजिस्ट्रेशन नंबर उत्तर प्रदेश का है। कार को नीमराणा क्षेत्र में ट्रैक किया गया है। चालक की तलाश जारी है।**

पुलिस के अनुसार राहुल रात को खाना खाने के बाद घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत में बन रहे अपने नए मकान पर सोने के लिए पैदल जा रहा था। इसी दौरान घर से कुछ ही दूरी पर दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। सड़क पर गिरे राहुल को कार चालक रौंदता हुआ मौके से फरार हो गया।

राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजन गंभीर रूप से घायल राहुल को निम्स हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि हादसे में शामिल कार का रजिस्ट्रेशन नंबर उत्तर प्रदेश का है। जिसे नीमराणा क्षेत्र में ट्रेस किया गया है। चालक की तलाश की जा रही है।

राहुल के परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी और दो साल का बेटा है। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

रेलवे ने लंबी दूरी की यात्रा का किराया बढ़ाया

- **215 किमी से अधिक की यात्रा पर एक से दो पैसे प्रति किमी भाड़ा बढ़ा**
- **रेलवे के अनुसार, उसे इस बदलाव से सालाना 600 करोड़ रूपऐ की अतिरिक्त आमदनी होगी।**

नयी दिल्ली, 21 दिसंबर। रेलवे ने यात्री किराये के ढांचे में बदलाव करने का निर्णय लिया है, जिसके कारण लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रति किलोमीटर एक से दो पैसे अधिक चुकाने पड़ेंगे। नयी दरें 26 दिसंबर से प्रभावी होंगी।

रेलवे की ओर से रविवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि 215 किलोमीटर से कम दूरी की यात्रा करने वालों और मासिक सीजन टिकट की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। रेलवे के मुताबिक 215 किमी से ज्यादा के सफर पर साधारण श्रेणी के किराये में प्रति किमी एक पैसा किमी की बढ़ोतरी की गयी है। वहीं, मेल/एक्सप्रेस में गैर वातानुकुलित श्रेणी दो पैसा प्रति किमी किराया बढ़ाया जाएगा। इसके साथ एसी श्रेणी में भी दो पैसा प्रति किमी की बढ़ोतरी की गयी है। इसी तरह से गैर वातानुकुलित श्रेणी में 500 किमी की यात्रा करने पर पर यात्रियों को कुल मिलाकर मौजूदा किराया से 10 रुपये ज्यादा देने पड़ेंगे। रेलवे के मुताबिक इस बदलाव से उसे सालाना 600 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आमदनी होगी। रेलवे ने 215 किलोमीटर से कम के सफर पर किराए में वृद्धि नहीं की है। यानी कम दूरी की यात्राएं पहले की तरह ही रहेंगी। इसके अलावा, रोजाना सफर करने वाले यात्रियों के लिए भी राहत की खबर है। रेलवे ने उपनगरीय ट्रेनों और मंथली सीजन टिकट (एमएसटी) की टिकटों के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में लोकल ट्रेनों से सफर करने वाले लाखों यात्रियों पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। रेलवे के सूत्रों के मुताबिक टिकटों के दामों में बढ़ोतरी परिचालन लागत में हो रही वृद्धि और अवसंरचना विकास परियोनाओं के लिए राशि की पूर्ति के लिए जरूरी है।

महाराष्ट्र निकाय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्वीकार कर ली है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि उसने महायुति को फायदा पहुंचाने में भूमिका निभाई। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सापकाल ने यहां तक कहा, 'बीजेपी की ये जीत एक अलार्म है शिंदे और अजित पवार के लिए। बहुत जल्द बीजेपी दोनों सहयोगियों को बाहर का रास्ता दिखा देगी।' वहीं, इस नतीजे के बाद केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के चुनावी रणनीतिकार अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि यह नतीजा जनता का आशीर्वाद है। प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किए गए जनकल्याण कार्यों पर जनता का भरोसा दिखाता है।

महाराष्ट्र में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में भारी जीत पर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 129 शहरों के नगराध्यक्ष भाजपा के चुने गए हैं। 75 प्रतिशत नगराध्यक्ष महायुती के हैं। मोदी जी की सकारात्मकता और हमारे नेता अमित शाह जी, नड्डा जी, नबीन जी ने हम पर जो विश्वास जताया, वह हम सार्थक कर सके, इसका आनंदहै।

'बाँग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की भी मांग की। किसी भी समय बाड़ तोड़ने या सुरक्षा की स्थिति खराब करने की कोई कोशिश नहीं की गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने कुछ ही मिनटों में ग्रुप को तितर-बितर कर दिया। इन घटनाओं के विज़ुअल सबूत सभी के देखने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। भारत वियना कन्वेंशन के अनुसार अपने क्षेत्र में विदेशी मिशनों/पोस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।" जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश में बदलती स्थिति पर कड़ी नज़र रखे हुए है। उन्होंने कहा, "हमारे अधिकारी बांग्लादेशी अधिकारियों के संपर्क में हैं और हमने अल्पसंख्यकों पर हमलों पर कड़ी चिंता जताई है। हमने यह भी आग्रह किया है कि दास की बर्बर हत्या के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए।"

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि, कुछ सुधार दिखा है। शनिवार को कई इलाकों में एक्यूआई 500 के पार चला गया था। रविवार को दिन चढ़ने के साथ वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ। दोपहर करीब 12 बजे पीएम10 कणों का स्तर 270 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और अधिक खतरनाक पीएम 2.5 का स्तर 200 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया।

बहुचर्चित एप्स्टीन दस्तावेजों की 16 फाइलें गायब

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के एप्स्टीन के साथ संबंध बताए जाते हैं, पर अभी तक कोई विशिष्ट सबूत सामने नहीं आया है

वाशिंगटन, 21 दिसंबर। अमेरिकी विधि विभाग की वेबसाइट के उस विभाग से कम से कम 16 फाइलें गायब हो गई हैं, जहाँ फाइनेंसर जेफरी एप्स्टीन के मामले से संबंधित दस्तावेज प्रकाशित किये गये थे।

- **फायनैंसर जैफरी एप्स्टीन पर 2019 में संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में सेक्स ट्रैफिकिंग और अपराध करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। अमेरिकी विधि विभाग ने कांग्रेस में पारित कानून के तहत एप्स्टीन मामले की कुछ सामग्री जारी की थी।**

अमेरिकी विधि विभाग ने शनिवार को कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी और कई रिपब्लिकन सांसदों के समर्थन से पारित एक कानून के तहत एप्स्टीन मामले की कुछ सामग्री जारी की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के एप्स्टीन के साथ संबंध होने का संदेह है, हालांकि अभी तक कोई विशिष्ट सबूत पेश नहीं किया गया है कि अमेरिकी नेता बच्चों के यौन शोषण में शामिल थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, गायब फाइलों में नग्न महिलाओं की पेंटिंग की तस्वीरें शामिल थीं। साथ ही एक ऐसी तस्वीर भी गायब है जिसमें एक ड्रेसर और दराजों पर रखी तस्वीरों की एक श्रृंखला दिखाई गई थी, जिसमें एप्स्टीन, मेलानिया ट्रंप और एपस्टीन की लंबे समय तक सहयोगी रही गिसलेन मैक्सवेल के साथ ट्रंप की एक तस्वीर भी शामिल थी।

गौरतलब है कि एप्स्टीन पर 2019 में संयुक्त राज्य अमेरिका में सेक्स ट्रैफिकिंग और अपराध करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था, जिसमें उसे 40 वर्षों से अधिक की जेल का सामना करना पड़ सकता था।

अभियोजकों के अनुसार, 2002 और 2005 के बीच एपस्टीन ने दर्जनों नाबालिग लड़कियों के साथ यौन संबंध बनाए, जिन्हें उसने न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा में अपने आवासों पर बुलाया था। वह उन्हें नकद भुगतान करता था और फिर कुछ पीड़ितों को और लड़कियों को लाने के लिए रिक्रूटर्स के रूप में नियुक्त करता था। कुछ पीड़ितों की उम्र मात्र 14 वर्ष थी।

जुलाई 2019 की शुरुआत में न्यूयॉर्क शहर की एक मैनहटन अदालत ने एप्स्टीन की पेशी के बाद उसे हिरासत में रखने का आदेश दिया और जमानत देने से इनकार कर दिया था। उसी वर्ष जुलाई के अंत में यह बताया गया कि एप्स्टीन जेल की एक सेल में आधी-बेहोशी की हालत में पाया गया था और बाद में उसकी मौत हो गयी थी। जाँच में निष्कर्ष निकाला गया कि उसने आत्महत्या की थी।

एप्स्टीन मामले में जनता की दिलचस्पी तब फिर से बढ़ गई जब ट्रंप प्रशासन वादे के मुताबिक फाइलों को सार्वजनिक करने में विफल रहा।

अमेरिकी राष्ट्रपति की आलोचना तब और तेज हो गई जब फेडरल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) और विधि विभाग ने कहा कि एप्स्टीन ने प्रभावशाली व्यक्तियों को ब्लैकमेल नहीं किया था और न ही कोई क्लाइंट लिस्ट रखी थी, जबकि अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने इसके विपरीत दावा किया था।

न्यूज़ीलैंड में सिखों के नगर कीर्तन का विरोध

अमृतसर, 21 दिसंबर। न्यूज़ीलैंड के साउथ ऑकलैंड में शनिवार को सिख समुदाय की ओर से आयोजित नगर कीर्तन के रास्ते को कुछ स्थानीय लोगों ने रोक दिया और विरोध प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनकारियों ने "दिस इज न्यूजीलैंड, नॉट इंडिया" और "यह हमारी जमीन है, हमें रहने दो" जैसे बैनर लहराए।

नगर कीर्तन गुरुद्वारा नानकसर ठाठ इशर दरबार से शुरू होकर अपने स्थान पर लौट रहा था। तभी करीब 30-35 स्थानीय प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन शुरू किया। यह लोग अपोस्टल बिशप ब्रायन तामाकी से जुड़े थे जो पेंटेकोस्टल चर्च के प्रमुख हैं। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी के साथ हाका प्रदर्शन भी किया। हालांकि, न्यूजीलैंड पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और प्रदर्शनकारियों को रास्ते से हटा दिया।

इस विरोध के दौरान सिख समुदाय के लोग असमंजस में पड़ गए क्योंकि विरोध की कोई स्पष्ट वजह नहीं थी। सिख समुदाय ने पूरी तरह से संयम दिखाया। न्यूज़ीलैंड पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर शांति बनाई और नगर कीर्तन को गुरुद्वारे तक पहुंचने दिया।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस घटना पर कहा कि न्यूज़ीलैंड एक विकसित देश है और इस प्रकार की घटना वहां पहले कभी नहीं देखी गई।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा पार्षदों ने आरएसएस का प्रार्थना गीत गाया

वाम मोर्चा ने कड़ा विरोध करते हुए कहा कि विशिष्ट वैचारिक संगठन से जुड़ा गीत गाना मर्यादा का उल्लंघन है

तिरुवनंतपुरम, 21 दिसंबर। केरल के तिरुवनंतपुरम नगर निगम के नवनिर्वाचित पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान रविवार को उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पार्षदों ने परिषद हॉल के अंदर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ा एक प्रार्थना गणगीत गाया।

शपथ ग्रहण समारोह में कुल 100 पार्षदों ने शपथ ली, जिनमें भाजपा के 50, वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के 29, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के 19 और दो निर्दलीय पार्षद शामिल थे। औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के तुरंत बाद भाजपा पार्षद अपनी जगह पर खड़े हो गए और परम पवित्र शब्दों से शुरू होने वाले गणगीत का गान किया। पारंपरिक रूप से यह गीत आरएसएस की शाखाओं में गाया जाता है।

भाजपा पार्षदों के इस कदम का विपक्षी सदस्यों ने कड़ा विरोध किया।

- **भाजपा पार्षदों का कहना है कि गणगीत एक सांस्कृतिक और भक्तिपूर्ण प्रार्थना है। इसका उद्देश्य विवाद पैदा करना नहीं है।**

एलडीएफ पार्षदों ने आरोप लगाया कि एक आधिकारिक नागरिक समारोह के दौरान एक विशिष्ट वैचारिक संगठन से जुड़ा गीत गाना मर्यादा का उल्लंघन है। उन्होंने इसे संवैधानिक ढांचे में धार्मिक और वैचारिक प्रतीकों को शामिल करने का प्रयास बताया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पार्षदों ने इसे "सांप्रदायिक एजेंडा" थोपने और औपचारिक संवैधानिक समारोह की पवित्रता को कम करने की कोशिश करार दिया। आलोचनाओं का जवाब देते हुए भाजपा पार्षदों ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गणगीत एक सांस्कृतिक और भक्तिपूर्ण प्रार्थना है और इसका उद्देश्य विवाद पैदा करना नहीं था। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि अन्य दलों के सदस्यों ने भी समारोह के दौरान नारेबाजी की थी और उनके इस कृत्य से शपथ ग्रहण प्रक्रिया के किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं हुआ है।

पुलिस ने सरना डूंगर में नकली घी बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

मौके पर 7500 लीटर नकली घी बरामद हुआ तथा चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 21 दिसम्बर। खोरा बिसल पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) पश्चिम ने सरना डूंगर फैक्ट्री एरिया में नकली घी बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया और मौके से 7500 लीटर नकली घी बरामद किया। पुलिस ने चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। जबकि एक मुख्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

- **पुलिस के अनुसार, वनस्पति घी और रिफाइंड सोयाबीन ऑयल में एसेंस मिलाकर नकली घी तैयार किया जाता था। फैक्ट्री में सरस, अमूल, लोटस व कृष्णा आदि, नामी ब्रांड के नाम नकली घी की पैकिंग की जा रही थी।**

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि फैक्ट्री में सरस, अमूल, लोटस, कृष्णा सहित अन्य नामी ब्रांड के नाम से नकली घी की पैकिंग की जा रही थी। घी को 15 किलो, 1 किलो और 500 ग्राम के डिब्बों में भरकर बाजार में सप्लाई किया जाता था। जांच में सामने आया कि वनस्पति घी और रिफाइंड सोयाबीन ऑयल में एसेंस मिलाकर नकली घी तैयार किया जा रहा था। फैक्ट्री से कच्चे माल के 10 पीपे, घी बनाने की मशीन, करीब 8 हजार नकली रैपर और अन्य पैकेजिंग सामग्री जब्त की गई है।

प्रारंभिक जांच में रोजाना लगभग 2000 लीटर नकली घी तैयार किए जाने का खुलासा हुआ है। फैक्ट्री के भीतर शटर बंद कर चोरी-छिपे यह अवैध कारोबार चलाया जा रहा था और नकली घी सीधे दुकानदारों को सप्लाई किया जाता था। मौके पर खाद्य सुरक्षा विभाग और सरस डेयरी के अधिकारियों को बुलाकर जांच कराई गई। सरस ब्रांड के दुरुपयोग को लेकर लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने कॉपीराइट एक्ट, ट्रेडमार्क एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्रवाई की सूचना पर खाद्य सुरक्षा विभाग और सरस डेयरी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और नमूने लिए। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर नकली घी के सप्लाई नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों की जानकारी जुटा रही है।

राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे पहले संसद ने देश के ग्रामीण रोज़गार और विकास ढांचे में एक निर्णायक सुधार का मार्ग प्रशस्त करते हुये इस विधेयक को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम, 2005 (मनरेगा) के स्थान पर पेश किया था जिसे संसद के दोनों सदनों की मंजूरी मिल गयी थी। यह अधिनियम आजीविका सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाला एक आधुनिक वैधानिक ढांचा प्रदान करता है, जो विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विज़न के अनुरूप है।

यह अधिनियम प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 125 दिनों के मज़दूरी रोज़गार की वैधानिक गारंटी प्रदान करता है, बशर्ते परिवार के वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक कार्य करने के इच्छुक हों।

पूर्व में उपलब्ध 100 दिनों के रोजगार के अधिकार की तुलना में यह वृद्धि ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सुरक्षा प्रदान करती है, काम को पहले से अनुमानित करती है और उनकी आय को अधिक स्थिर बनाती है। इसके साथ ही उन्हें राष्ट्रीय विकास में अधिक प्रभावी और सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाती है।

छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर की केरल में मॉब लिंचिंग से मौत

'यह घटना देश भर में काम करे रहे प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा पर चिंता बढ़ाती है'

रायपुर, 21 दिसंबर। केरल के पलक्कड़ जिले में छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर रामनारायण बघेल की कथित मॉब लिंचिंग से हुई निर्मम हत्या को लेकर छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष के नेता डॉ. चरणदास महंत ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस मामले में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर त्वरित हस्तक्षेप, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

चरणदास ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करके कहा कि केवल संदेह के आधार पर एक प्रवासी श्रमिक की पीट-पीटकर हत्या मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। उन्होंने बताया कि मृतक के शरीर पर 80 से अधिक गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं, जो घटना की भयावहता को दर्शाते हैं।

- **छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष के नेता चरणदास महंत ने यह भी कहा कि राज्य सरकार को केरल सरकार से तत्काल समन्वय स्थापित करके निष्पक्ष, त्वरित व कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करनी चाहिए।**
- **महंत ने कहा कि केवल संदेह के आधार पर प्रवासी मजदूर की पीट-पीट कर हत्या मानवता को शर्मसार करती है।**

उन्होंने ने मांग की मृतक की पार्थिव देह को शीघ्र और सम्मानपूर्वक छत्तीसगढ़ लाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं।

डॉ. महंत ने पीड़ित परिवार के लिए तत्काल आर्थिक सहायता, परिवार के एक पात्र सदस्य को सरकारी नौकरी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा हेतु अंतर-राज्यीय समन्वय तंत्र को मजबूत करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि शासन की संवेदनशीलता और त्वरित हस्तक्षेप से न केवल पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा, बल्कि यह भी संदेश जाएगा कि राज्य सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

'संघ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर तारीफ़ की, और कहा कि आरएसएस सामाजिक बदलाव की उस विरासत को आगे बढ़ाना चाहता है। उन्होंने कहा कि अपनी शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में, आरएसएस की सच्चाई को जनता के सामने रखने के लिए कोलकाता, दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में लेक्चर और बातचीत के सेशन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अन्य स्रोतों के बजाय तथ्यों के आधार पर राय बनाने का आग्रह किया।

हरियाणा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आकस्मिक चैकिंग की गई और पुलिस थाना साइबर क्राइम सिरसा हरियाणा के उप निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार व पुलिस स्टाफ के अन्य सदस्यों को वाहन संख्या एचआर 24 जीबी 2222 में 6 लाख रुपये की अवैध संदिग्ध रिश्वत राशि सहित परिवहन करते हुये पकड़ा।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908